संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 265
पृष्ठ 8
शुक्रवार
14 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट.. | विचार- अमन और सद्भाव सबसे बड़ी जरूरत | खेल- वेस्टइंडीज टीम ने सुपर ८ के लिए...

देश को अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने पर रहेगा जोर : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि अगले पांच वर्षों के दौरान देश को अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। श्री सिंह ने लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद कहा कि अगले पांच वर्षों के दौरान अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र की स्थापना के लिए नए सिरे से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा,"प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हमारा उद्देश्य रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ साथ देश के सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करना होगा। सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और सेवारत तथा सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों का कल्याण हमारा मुख्य फोकस

रहेगा।' क्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में रक्षा निर्यात को बढ़ाना उनका उद्देश्य होगा। उन्होंने कहा,"वित्तीय वर्ष 2023–24 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। यह ऐतिहासिक था। हमारा लक्ष्य 2028–2029 तक 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा उपकरण निर्यात करने का होगा।" श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियारों और प्लेटफार्मों से लैस किया जा रहा है और वे हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने वीरता और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सैन्य कर्मियों की सराहना की। कार्यभार संभालने के तुरंत बाद रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली नई सरकार के तहत रक्षा मंत्रालय की पहले 100 दिनों की कार्य योजना पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पूर्व सैनिकों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें पूर्व सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को 100 दिनों की कार्य योजना में निर्धारित एजेंडे को पूरा करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का निर्देश दिया। रक्षा तैयारियों को बढ़ाने और रक्षा में आत्मनिर्भरता पर निरंतर जोर देने के उद्देश्य से, रक्षा मंत्री ने कहा कि वह प्रमुख योजनाओं और रक्षा मंत्रालय की पहलों की प्रगति में तेजी लाने के लिए नियमित समीक्षा बैठकें करेंगे। हिंद महासागर क्षेत्र के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए, रक्षा मंत्री ने इस कार्यकाल में अपनी पहली यात्रा पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम में करने का फैसला किया है, जिसमें वह अधिकारियों और नाविकों के साथ बातचीत करेंगे। इससे पहले श्री सिंह के रक्षा मंत्रालय के कार्यालय साउथ ब्लॉक पहुंचने पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव गिरधर अरमाने, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी तथा रक्षा मंत्रालय के अनेक शीर्ष अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। लखनऊ लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार जीत कर लोकसभा पहुंचे श्री सिंह को वर्ष 2019 में पहली बार रक्षा मंत्री बनाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा मंत्री के तौर पर उनके कामकाज पर भरोसा करते हुए उन्हें इस बार भी रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में उन्हें गृह मंत्री की जिम्मेदारी दी गई थी। कार्यभार संभालने के बाद श्री सिंह ने उन पर भरोसा जताने के लिए श्री मोदी को धन्यवाद दिया।

जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की पीएम मोदी ने की समीक्षा

● गृहमंत्री और एनएसए से भी की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों में चार आतंकी घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। एक बड़े कदम में, उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ अभियानों में भारत की आतंकवाद–रोधी क्षमताओं के पूर्ण स्पेक्ट्रम को तैनात करने के लिए कहा। समीक्षा बैठक के दौरान, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे, प्रधान मंत्री को केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा स्थिति की पूरी जानकारी मिली। उन्हें आतंकवाद विरोधी प्रयासों के बारे में भी बताया गया। मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और सुरक्षा बलों की तैनाती और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर चर्चा की। उन्होंने स्थिति का जायजा लेने के लिए जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की। अधिकारियों के मुताबिक, पीएम को स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। यह समीक्षा शाह की एक और सुरक्षा बैठक से पहले हुई है। जम्मू–कश्मीर को इस महीने के अंत में 19 अगस्त तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा के साथ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा के अनुसार सितंबर में विधानसभा चुनाव होंगे। केंद्र सरकार अमरनाथ यात्रा के साथ–साथ चुनाव भी शांतिपूर्ण कराना चाहती है और केंद्रशासित प्रदेश में बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात करने की योजना बना रही है। हाल के आतंकी हमले नई सरकार के लिए एक चुनौती बनकर आए हैं, रियासी में यह घटना उस दिन हुई जब 9 जून को मोदी और उनकी नई मंत्रिपरिषद शपथ ले रही थी। आतंकवादियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हमला किया, जिससे बस पलट गई। सड़क और खाई में गिरने से नौ की मौत हो गई और 41 घायल हो गए।

नागपुर के निकट कारखाने में हुए विस्फोट में छह लोगों की मौत, तीन घायल

नागपुर, एजेसी। महाराष्ट्र में नागपुर शहर के निकट विस्फोटक बनाने वाले एक कारखाने में बृहस्पतिवार अपराह्न हुए विस्फोट में पांच महिलाओं समेत छह श्रमिकों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि

यह घटना नागपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर हिंगना पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत धमना गांव में चामुंडी एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड में हुई। नागपुर के पुलिस आयुक्त रवींद्र सिंघल ने बताया कि कुल नौ घायलों को शहर के दो निजी अस्पतालों में लाया गया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि इनमें से पांच महिलाओं और एक पुरुष की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस समय विस्फोट हुआ तबज्यादातर श्रमिक विस्फोटक सामग्री पैक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जांच जारी है।

मुनक नहर पर दिल्ली पुलिस की गश्त, आतिशी ने पाइपलाइन का निरीक्षण किया

नयी दिल्ली, एजेसी। दिल्ली में जल संकट गहराने के बाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को मुनक नहर क्षेत्र में टैंकर माफिया की गतिविधियां रोकने के लिए गश्त शुरू की और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने दक्षिण दिल्ली के निवासियों को पानी की आपूर्ति करने वाले पाइपलाइन नेटवर्क का निरीक्षण किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पुलिस दल ने चौकियां स्थापित की हैं और राष्ट्रीय राजधानी को पानी की आपूर्ति करने वाली नहर के, हरियाणा की सीमाओं पर 15 किलोमीटर के हिस्से पर गश्त शुरू कर दी है।

खांडू ने तीसरी बार अरुणाचल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

ईटानगर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पेमा खांडू ने गुरुवार को तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने यहां डीके स्टेट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में श्री खांडू को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष भी मौजूद रहे। इसके साथ ही भाजपा नेता श्री रविशंकर प्रसाद , श्री तरुण चुग, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और अरुणाचल के सांसद तापिर गाओ और नबाम रेबिया भी उपस्थित रहे। श्री खांडू के साथ 11 अन्य विधायकों ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। चौखाम सीट से लगातार दूसरी बार निर्वाचित हुए मीन ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बियुराम वाहगे, न्यातो दुकम, गेब्रियल डेनवांग वांगसू, वांगकी लोवांग, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पासंग दोरजी सोना, मामा नटुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केंटो जिनी और ओजिंग तासिंग शामिल हैं। चीन की सीमा से लगे अंजॉ जिले के हयूलियांग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली दासंगलू पुल अकेली महिला मंत्री हैं। वह पूर्व मुख्यमंत्री कलिखो पुल की पत्नी हैं। इससे पहले बुधवार को पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और तरुण चुग की मौजूदगी में एक बैठक में पार्टी विधायकों ने श्री खांडू को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना। फिर शाम को श्री खांडू ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और राज्य में नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया। इसके बाद राज्यपाल ने उन्हें इसके लिए आमंत्रित किया। हाल ही में हुए अरूणाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा शानदार जीत हासिल कर लगातार तीसरी बार राज्य की सत्ता में लौटी है। भाजपा ने 60 सदस्यीय सदन में 46 सीटें जीती हैं।

विकास, सुशासन के नए मानदंड स्थापित करेगा अरुणाचल : योगी

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अरुणाचल प्रदेश में नवगठित सरकार में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर पेमा खांडू को शुभकामनाएं दी हैं। योगी आदित्यनाथ ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर पोस्ट

करते हुए विश्वास जताया है कि अरुणाचल प्रदेश में नई सरकार समृद्धि, विकास, सुशासन और जन कल्याण के नये मानदंड स्थापित करेगी। उन्होने अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और उप मुख्यमंत्री चौना मीन को पदग्रहण करने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में दोनों नेताओं का कार्यकाल सफल होगा और इनके नेतृत्व में राज्य समृद्धि, विकास, सुशासन और जन कल्याण के नए मानदंड स्थापित करेगा।

पॉक्सो मामले में बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी, बेंगलुरु की अदालत का फैसला

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु की एक अदालत ने गुरुवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ गैर–जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह कार्रवाई उनके खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले से संबंधित है। येदियुरप्पा, जिन्होंने राज्य सरकार में विभिन्न प्रमुख पदों पर कार्य किया है, अब बड़ी कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं क्योंकि अदालत इन गंभीर आरोपों के संबंध में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करना चाहती है। 81 वर्षीय येदियुरप्पा ने आरोप से इनकार किया है और कहा है कि वह कानूनी रूप से मामला लड़ेंगे। इससे पहले दिन में, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि मामले की जांच कर रहे आपराधिक जांच विभाग (CID) ने उन्हें पूछताछ के लिए पेश होने के लिए एक नोटिस जारी किया है, और यदि आवश्यक हो तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''नोटिस प्रक्रियागत रूप से दिया गया है, 15 जून तक चार्जशीट दाखिल की जानी है।

उससे पहले वे (सीआईडी) चार्जशीट दाखिल करेंगे। उन्हें इसके लिए प्रक्रिया का पालन करना होगा। उन्हें उसका बयान दर्ज करना होगा और उसे (अदालत में) पेश करना होगा, ये सभी प्रक्रियाएं हैं और विभाग यह करेगा।'' एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा ''अगर जरूरत पड़ी तो वे गिरफ्तार करेंगे। मैं यह नहीं कह सकता कि (अगर) यह जरूरी है, सीआईडी को यह कहना है। अगर उन्हें लगता है कि यह जरूरी है, तो वे ऐसा करेंगे।''

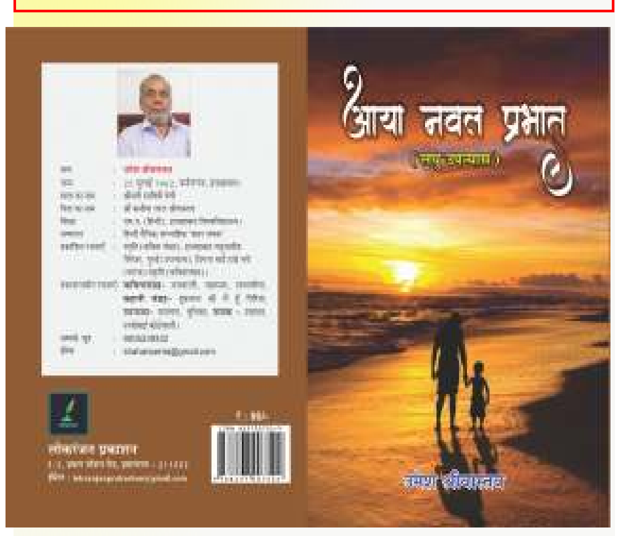

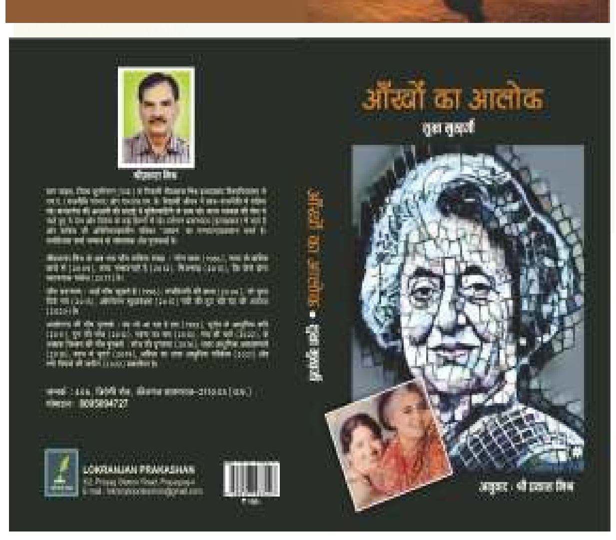

मोहन यादव ने 'पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा' का किया शुभारंभ

भोपाल, एजेसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को यहां से जबलपुर के लिए पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाकर प्रधानमंत्री श्री पर्यटन वायु सेवा नाम से अंतरराज्यीय और सिंगरौली शहर हवाई मार्ग से जुड़ जाएंगे। उन्होंने बताया कि हवाई सेवा को बढ़ावा देने के लिए 30 दिनों के लिए किराए में 50 प्रतिशत की छूट दी गई है। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी)

हवाई सेवा का शुभारंभ किया। यादव ने यात्रियों को बोर्डिंग पास भी दिए और टिकट बुकिंग काउंटर का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, खजुराहो हवाई सेवा का संचालन करेगा। आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि इसे मेसर्स जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (फ्लायोला) के साथ सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर चलाया जा रहा है।

सरकार को नीट परीक्षा को लेकर जल्द लेना चाहिए फैसला-गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट) में एनटीए की भूमिका को संदेहास्पद बताते हुए कहा है कि अगर सरकार की अभ्यर्थियों के साथ न्याय करने की मंशा है तो नीट परीक्षा को लेकर जल्द से जल्द फैसला लेना चाहिए। श्री गहलोत ने गुरुवार को यहां सोशल मीडिया पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि परीक्षा में हुईं गड़बड़ियों को लेकर आ रहीं सूचनाओं से यह स्पष्ट है कि यह पूरी परीक्षा संदेह के घेरे में है। परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए की भूमिका ही संदेहास्पद है। यदि सरकार की अभ्यर्थियों के साथ न्याय करने की मंशा है तो नीट परीक्षा को लेकर जल्द से जल्द फैसला लेना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों को मोदी सरकार की सख्त चेतावनी- नापाक मंसूबों को कतई सफल नहीं होने देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा है कि आतंकवादियों का कश्मीर से जम्मू क्षेत्र की ओर ध्यान केंद्रित करना इस बात का संकेत है कि घाटी में वे दबाव में हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे यहां सफल नहीं होंगे क्योंकि स्थानीय निवासी ''राष्ट्रवादी और देशभक्त'' हैं। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की आतंकवाद के प्रति ''कतई बर्दाश्त नहीं करने'' की नीति है तथा क्षेत्र को इस खतरे से मुक्त करने के लिए यही नीति अपनाई जाएगी। मंत्री ने कठुआ स्थित सरकारी मेडिकल कालेज में आतंकी हमले में घायल हुए ओम प्रकाश का हालचाल जानने के बाद पत्रकारों से वार्ता में यह बात कही। हम आपको बता दें कि हीरानगर सेक्टर के गांव में मंगलवार रात आतंकवादी हमले में ओम प्रकाश घायल हो गए थे। जितेंद्र सिंह ने कहा, आतंकवादियों का कश्मीर से ध्यान हटाकर इस (जम्मू) क्षेत्र पर (ध्यान) केंद्रित करना इस बात का संकेत है कि वे घाटी में दबाव में हैं। कश्मीर में जिस तरह से उन पर (सुरक्षा बलों द्वारा) दबाव डाला जा रहा है, उससे वे अपना ध्यान (इस क्षेत्र पर) केंद्रित करने के लिए मजबूर हो गए हैं, लेकिन वे यहां सफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू क्षेत्र में आतंकवादियों के सफल न होने का सबसे बड़ा कारण यह है कि पूरा क्षेत्र, चाहे वह हीरानगर हो या कोई अन्य स्थान, यह क्षेत्र राष्ट्रवादी और देशभक्त आबादी से भरा हुआ है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद जितेंद्र सिंह का कठुआ का यह पहला दौरा था। कठुआ उनके गृह लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। जितेंद्र सिंह ने दोनों आतंकवादियों को मार गिराकर कम समय में अभियान पूरा करने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की। केमिस्ट अमरजीत शर्मा की नृशंस हत्या में दो आतंकवादियों की संभावित संलिप्तता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसकी संभावना है और पुलिस इसकी जांच करेगी। सिंह का गला कटा हुआ शव रविवार देर रात हीरानगर के एक गांव में बरामद किया गया था।

प्रयागराज में ट्रांसपोर्टर की कार में तोड़फोड़

नैनी में मारपीट के बाद शीशे तोड़े, गुंडा टैक्स मांगने का आरोप

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी इलाके में एक ट्रांसपोर्टर की फॉरच्यूनर कार में जमकर तोड़फोड़ की गई। मामला गुरुवार सुबह का है।

ट्रांसपोर्टर प्रदीप कुमार पांडेय का कहना है कि कुछ दबंग उनसे गुंडा टैक्स मांग रहे थे। इंकार करने पर घात लगाकर कार रोक ली और तोड़फोड़ की। ट्रांसपोर्टर ने नैनी थाने में कई लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस जांच कर रही है। झूंसी थाना क्षेत्र के पूरे सूरदास इलाके के रहने वाले प्रदीप कुमार पांडेय कार और ट्रॉल चलवाते हैं। उन्होंने नैनी थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि मेंहदौरी, शिवकुटी के रहने वाले कई लोग गुंडा टैक्स मांग रहे हैं। कह रहे हैं कि गुंडा टैक्स नहीं देने पर रोड पर गाड़ी नहीं चलेगी। प्रदीप ने पुलिस को बताया कि डांडी नैनी में उनकी कार को घेरकर रोक लिया गया। मारपीट के बाद कार के शीशे तोड़ दिए गए। साथ ही तोड़फोड़ की गई। उनका कहना है कि इससे पहले उनके मुंशी प्रदीप जायसवाल से मारपीट की गई। मामले में रेहान, मोनू और आशुतोष समेत उनके साथियों के खिलाफ तहरीर दी गई है। नैनी पुलिस ने कार को थाने में खड़ा करा दिया है। मामले में पूछताछ की जा रही है।

फूलपुर में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर

फूलपुर, प्रयागराज। फूलपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पहुंचे परिजनों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया।

सूचना पर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मौके पर फूलपुर, थरवई, सराय इनायत थाने की पुलिस फोर्स और एसीपी थरवई भी मौके पर पहुंचे। वहीं ग्रामीणों ने कई कारों में तोड़फोड़ की। एक घंटे तक चक्का जाम के बाद लोगों शांत कराया गया। वहीं चालक वाहन लेकर फरार है।थरवई थाना क्षेत्र के प्रयागराज के लिए भेज दिया। गोरखपुर राजमार्ग पर रुदापुर गांव के सामने उमरीमय टटिहरा गांव निवासी संदीप कुमार (30) बाबूगंज से वापस अपने घर जा रहा था। वह रुदापुर गांव के सामने पहुंचा फूलपुर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह बाइक सड़क पर गिर गया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा : टक्कर मारने वाला वाहन उसको कुचलते हुए आगे बढ़ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थल पर पहुंचे परिजनों ने हंगामा करते हुए देर तक सड़क जाम कर दी। मौके पर पहुंची थरवई पुलिस किसी तरह समझा बुझाकर मामला शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हरे पेड़ों को कटने से बचाने के लिए स्काई हाई संस्था ने छेड़ी नायाब मुहिम, वायरल हो रहा है स्लोगन

प्रयागराज। महाकुंभ की परियोजनाओं को साकार करने के लिए संगमनगरी के परेड ग्राउंड पर लगे पेड़ों का काटा जा रहा है।

इसके लिए चिहिनित पेड़ों पर लाल निशान लगा दिए गए। इन पेड़ों को बचाने की मुहिम भी छिड़ गई है। एक तरफ जहां पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से इसकी शिकायत की गई है, वहीं पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली संस्था स्काई हाई ने भी हरे पेड़ों को बचाने की मुहिम छेड़ दी है। स्काई हाई की ओर से इन पेड़ों को कटने से बचाने के लिए पोस्टर लगाए गए हैं। चिह्नि समी पेड़ों पर पोस्टर लगाए गए हैं। उन पोस्टरों पर लिखा है कि ' इलाहाबाद वालों मुझे बचालो, प्रयागराज वाले मुझे काट देंगे। ' पेड़ों पर लगे पोस्टरों पर यह मार्मिक अपील इन दिनों चर्चा में है। स्काई हाई के कार्यकर्ता इस मुहिम को धार देने के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा ले रहे हैं। इंस्टाग्राम और अन्य माध्यमों के जरिए इस मुहिम को तेज किया जा रहा है। स्काई हाई के कई कार्यकर्ताओं की उन पेड़ों को पकड़े हुए तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। पेड़ों को बचाने का यह नायाब संदेश हर किसी का ध्यान खींच रहा है। इस अभियान से कई एंफ्लुएंसर्स जुड़े हुए हैं। महाकुंभ के मद्देनजर सड़कों का चौड़ीकरण करने के लिए परेड मैदान में ही नहीं शहर में भी पेड़ों को काटा जा रहा है। कुल नौ सौ से अधिक पेड़ इस सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत काटे जाने हैं। बता दें कि हाईकोर्ट ने भी हाल में ही पेड़ों को काटे जाने के मामले का संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट ने पहले 10 गुना अधिक पेड़ लगाने और फिर काटने के लिए कहा है।

एसबीआई के सर्वर रूम में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने दो घंटे की मेहनत के बाद आग पर पाया काबू

प्रयागराज। भारतीय स्टेट बैंक की शाखा कीडगंज में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके चलते बैंक का कामकाज प्रभावित रहा। कीडगंज स्थित भारतीय स्टेट बैंक में सुबह आग लग गई। देखते ही देखते बैंक के सर्वर रूम से आग की लपटें उठने लगीं। इससे लोगों में खलबली मच गई। सूचना पाकर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग सर्वर रूम में शटर के अंदर लगी थी। जिसका ताला बाहर से बंद था। दमकलकर्मियों ने ताले को काटकर अंदर धधक रही आग को किसी तरह से बुझाया।

गर्मी से सिकुड़ी गंगा की धारा, घाटों से दूर पानी

प्रयागराज देश के सबसे गर्म शहरों में शुमार, असर नदियों पर, गंगा में रेत और टीले दिख रहे

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज इन दिनों देश के सबसे गर्म शहरों में शुमार है। आसमान से आग बरस रही है। ऐसे में जन जीवन पर तो बड़ा असर पड़ ही रहा है। साथ में नदियों वाले इस शहर में कई और बदलाव भी देखने को मिल रहे हैं। भीषण गर्मी, तेज धूप का प्रकोप यूं बढ़ा है कि गंगा–यमुना की धारा सिकुड़ सी गई है। गंगा अपने घाटों से दूर होती जा रही है। कछारी इलाके बढ़ते जा रहे हैं। यहां तक की फाफामऊ ब्रिज के नीचे, जहां हमेशा गंगा उफनाई होती थी। वहां रेत और टीले नजर आने लगे हैं। किनारे की धारा खत्म होने की कगार पर है। फाफामऊ घाट हो या फिर संगम नोज का इलाका। अरैल घाट, बलुआघाट, दारागंज, दरियाबाद का जोगीघाट हर किनारे से पानी दूर हो चला है। फाफामऊ में तो गंगा की बीच धारा के बीच टीले नजर आने लगे हैं। जानकारों का कहना है कि ऐसा भीषण गर्मी की वजह से हुआ। जहां जलस्तर कम था, वहां पानी सूख रहा है। ऐसा उस वक्त होता है जब प्रयागराज में भीषण गर्मी का रिकॉर्ड टूटता है।

श्रद्धालुओं की संख्या में कमी, तीर्थ–पुरोहित परेशान

प्रयागराज के संगम तट पर साल के बारह महीने श्रद्धालुओं की भीड़ होती है। भीषण गर्मी में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला थम सा गया है। गंगा के घटते जलस्तर से यहां आने वाला हर कोई हैरान है। गंगा और यमुना के मिलन स्थल होने के चलते पहले जहां हमेशा पर्याप्त पानी रहता था, वहां भी अब पानी का बहाव कम है। भीषण गर्मी के चलते नदी, नाले, तालाब सभी पर असर पड़ रहा है। गंगा की धारा के सिकुड़ने का असर गंगा तट पर रहने वाले तीर्थपुरोहितों के रोजगार पर भी पड़ रहा है। भीषण गर्मी के चलते श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार कमी आ रही है। तीर्थपुरोहितों का कहना है कि गंगा उनके तखत से दूर हुई है। ऐसा गर्मी में होता है लेकिन इस बार किनारे ज्यादा सूख गए। वहीं प्रयागराज के संगम तट पर 2025 में कुंभ मेले का आयोजन होना है। इसे लेकर अभी से तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस गर्मी ने घाटों को गंगा से दूर कर दिया है।

प्रयागराज में भीषण गर्मी से स्कूटी में लगी आग

तेज धूप से चलती गाड़ियों में उठने लग रही लपटें, 15 दिनों में 9 गाड़ियां जलीं

प्रयागराज। प्रयागराज में भीषण गर्मी की वजह से गाड़ियों में आग लग जाने का सिलसिला जारी है। गुरुवार दोपहर 3:25 बजे प्रयागराज कानपुर मार्ग पर मुंडेरा इलाके में सड़क किनारे खड़ी एक स्कूटी में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। एक कारोबारी सड़क किनारे स्कूटी खड़ी कर किसी काम से चले गए। तेज धूप में खड़ी स्कूटी से अचानक धुआं उठा और फिर लपटें उठने लगीं। आसपास के लोगों ने फायर सर्विस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया।

आइये बताते हैं कहां कहां जलीं गाड़ियां

प्रयागराज में आसमान से आग बरस रही है। यूपी के सबसे गर्म शहरों में प्रयागराज भी शुमार है। तेज धूप, लू से हर कोई परेशान है। गर्मी से जन जीवन तो प्रभावित हो ही रहा है लोगों की जान पर भी बन आ रही है। प्रयागराज की बात करें तो पिछले 17 दिनों में वाहनों में आग लगने की 9 घंटनाएं हो गईं। चलती कारों में आग से अफरातफरी मच जा रही है। लोग लपटों से घिरी गाड़ियों से कूदकर जान बचा रहे हैं। यह सारी घटनाएं सड़कों पर हो रही हैं। वजह साफ है भीषण गर्मी में गाड़ियों के इंजनों का बेतहाशा गर्म हो जाना है। यहां तक की गर्मी की आग यूं है कि रोड रोलर तक में आग लग जा रही है। फाफामऊ में रोड रोलर में आग से अफरातफरी मच गई।

सावधान रहें, एहतियात बरतें

ऐसे में सावधानी बहुत जरूरी है। खासकर हाईवे पर कारों से रफ्तार भर रहे हैं तो इंजन के हीट होने की तरफ जरूर ध्यान दें। रेडीवाटर में पानी है, लीकेज तो नहीं हुआ। एसी कंप्रेशर बहुज ज्यादा गर्म तो नहीं हो गया यह जरूर देखें। टायरों पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

शास्त्री बिज पर लपटों से घिरी पूरी जल गई आर्टिगा कार

गंगा पर बने शास्त्री बिजल पर तेज रफ्तार आर्टिगा कार में भीषण आग लग गई। यह हादसा 28 मई की दोपहर हुआ जब प्रयागराज का पारा 48 डिग्री से ऊपर था। कार सवार लोग जल्दी से उतर कर भाग गए। आर्टिगा कुछ ही देर में पूरी तरह लपटों से घिर गई। फायर सर्विस की गाड़ी ने पहुंच आग पर काबू पाया।

पिकअप वैन की खिड़की से कूदे थे दो लोग

प्रयागराज के बारा इलाके में डांडो चौराहे पर दोपहर में हाईवे पर अचानक पिकअप वैन में आग लग गई। पिकअप में ड्राइवर समेत दो लोग बैठे थे। आग लगने से दोनों गाड़ी छोड़ भागे। धूं धूं कर पिकअप पूरी तरह जलने लगी। लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन, आग बढ़ती गई। अंत में फायर सर्विस की टीम ने पहुंच आग पर काबू पाया। हालांकि तब पिकअप पूरी तरह जल गई थी। हादसे की वजह से हाईवे पर भीड़ लगी रही। ड्राइवर शैलेश ने बताया कि भीषण गर्मी की वजह से आग लगी। दारागंज में जली कार, करेली में बाइकगर्मी की वजह से दारागंज इलाके में मारुति कार में आग लगने से अफरातफरी मची। कार में तीन लोग सवार थे। सभी कार से निकल कर जान बचाते हुए दूर भागे। इसी प्रकार शहर के करेली इलाके में साठ फिट रोड पर पल्सर बाइक में तब आग लगी जब युवक उसे तेजी से चला था। अचानक आग लगने के बाद बाइक छोड़कर निकल भाग। मो. शारिक ने बताया कि पल्सर पर आसपास के लोगों ने जल्दी से पानी छोड़ा तो वह बुझ गई इसी प्रकार नवाबगंज इलाके में आईटेन कार में भीषण आग लगने से पूरी गाड़ी जल गई थी। ऐसा ही हादसा प्रयागराज–फैजाबाद मार्ग पर हुआ। बीट कार में आग लगने के बाद उसमें सवार दो लोगों को भागना पड़ा था।थाना परिसर में खड़े 16 वाहनों में फैल चुकी आगकुछ दिन पहले गर्मी की वजह से खुल्दाबाद थाना परिसर में भीषण हादसा हो गया था। परिसर में खड़ी गाड़ियों में आग लग गई। सीज किए और लावारिस मिले वाहनों में आग फैलने से तेज लपटें उठने लगीं। पुलिसकर्मी भी आग बुझाने के लिए जूझते रहे थे। दो घंटे में आग पर तो काबू पा लिया था लेकिन 16 गाड़ियां पूरी तरह जल गई थीं।

सोनौटी के कछार में दफनाई गईं लाशों का होगा अंतिम संस्कार, नगर निगम की टीम, लिया जायजा

प्रयागराज। गंगापार के वार्ड नंबर नौ सोनौटी के कछार में बुधवार को नगर निगम की टीम पहुंची और हालात का जायजा लिया। नगर निगम की टीम ने कछार में दफनाई गई लाशों का अंतिम संस्कार किए जाने का आश्वासन दिया। अमर उजाला में खबर में छपने के बाद नगर निगम के अफसर सक्रिय हुए और मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। सैकड़ों शवों को सोनौटी श्मशान घाट के किनारे रेत में दफन किए जाने से यहां के लोगों की परेशानी भी दिनों–दिन बढती जा रही है। साथ ही वहां पर रेत से खोदकर शवों को नोचने वाले कुत्ते भी लोगों के लिए आदमखोर बने हुए हैं। हो–हल्ला मचा तो सभी को रेत से निकालकर नगर निगम कर्मियों की मौजूदगी में जलाया गया। वैसे ही हालात इन दिनों झूंसी के कछारी वार्ड सोनौटी के श्मशान घाट के किनारे बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नई झूंसी में श्मशान घाट के बंद होने से बदरा–सोनौटी के कछार में लाशों के दफनाए जाने का सिलसिला पिछले कई माह से चल रहा है। इस वक्त श्मशान घाट के किनारे सैकड़ों की संख्या में शवों को रेत में दफन किया गया है। सोनौटी के कछार में आसपास के सैकड़ों गांव से लोग लाशें लाकर गाड़ रहे हैं। इसके अलावां थरवई, फूलपुर, सहसों, जगतपुर, हंडिया, गोपीगंज, बरौत आदि क्षेत्रों से भी ग्रामीण शव लेकर पहुंचते हैं। इनमें उन लोगों की संख्या ज्यादा है, जो शवों को जलाने का खर्च नहीं उठा सकते हैं। भारी संख्या में शवों को दफन किए जाने से ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है।

इससे जुड़ी खबर अमर उजाला ने बुधवार के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित की तो नगर निगम के अफसर जागे। दोपहर में नगर निगम के झूंसी जोन के जोनल अधिकारी सुदर्शन चंद्रा नगर निगमकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। सोनौटी वार्ड के पार्षद कन्हई लाल ने नगर निगम के अफसरों को स्थिति से अवगत कराया। कहा गया कि अगर यहां पर एक श्मशान घाट दोबारा से तैयार कर दिया जाए तो उम्मीद है कि लोग यहां पर शवों का दफनाना बंद कर दें। जोनल अधिकारी सुदर्शन चंद्र का कहना है कि मौके पर जाकर जांच की गई। यह सही बात है कि रेत में काफी संख्या में शव गाड़े गए हैं। पूरे मामले से उच्च अफसरों को अवगत करा दिया गया है। उनके निर्देश के अनुसार जल्द ही कार्य किया जाएगा।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में पीजी एडमिशन के आवेदन की प्रक्रिया पूरी

14 और 15 जून को एप्लिकेशन फॉर्म में करेक्शन करें, वेबसाइट खुली रहेगी

प्रयागराज। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी और 11 संघटक कॉलेजों में पीजी यानी परास्नातक में चल रहे ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 12 जून को रात 12 बजे पूरी हो गई है। 62 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 57 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया था,

जिसमें 34 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने शुल्क भी जमा कर दिया। अब विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से 14 और 15 जून को भी वेबसाइट खोली जाएगी, ताकि जो भी अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र संशोधन करना चाहते हैं वह संशोधन कर सकें। अभ्यर्थियों को 15 श्रेणियां में संशोधन करने की छूट मिली है। विद्यालय के एडमिशन डायरेक्टर प्रोफेसर जेके पति के अनुसार, अभ्यर्थी को माता–पिता का नाम, जन्मतिथि, लिंग, पता, आधार कार्ड नंबर, वैवाहिक स्थिति, अभिभावक की वार्षिक आय, डोमिसाइल राज्य, योग्यता, छात्रावास, पुलिस केस, एबीसी आईडी, ईमेल, और मोबाइल नंबर आदि में संशोधन करने का मौका मिलेगा।

इसी माह प्रवेश परीक्षा कराने की तैयारी : यूनिवर्सिटी की ओर से प्रवेश परीक्षा इसी माह जून में ही कराने की तैयारी है। दरअसल 16 मई से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। पहली बार आवेदन की अंतिम तिथि 5 जून निर्धारित थी, लेकिन अभ्यर्थियों की मांग को देखते हुए इसे बढ़ाकर 12 जून कर दिया गया था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से निर्णय लिया गया है कि जून में प्रवेश परीक्षा कराने के बाद जुलाई के पहले या दूसरे सप्ताह में इसका परिणाम भी जारी कर दिया जाएगा, उसके बाद जुलाई के तीसरे सप्ताह में काउंसिलिंग की प्रक्रिया हो सकती है।

ऑनलाइन व ऑफलाइन होगी प्रवेश परीक्षा : इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में पीजी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से कराई जाएगी। दोनों माध्यम के लिए नई दिल्ली के साथ–साथ उत्तर प्रदेश में प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी और बरेली में केंद्र बनाए जाएंगे। जबकि ऑनलाइन परीक्षा सिर्फ भोपाल, कोलकाता, पटना और तिरुवनंतपुरम में होगी।

प्रयागराज में धार्मिक टिप्पणी पर भड़के लोग, केस दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज में धर्म विशेष के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले पर हंगामा हो गया। हालांकि वीडियो वायरल होने पर कीडगंज के सब इंस्पेक्टर उमा शंकर सिंह की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया।

इसे लेकर हिंदूवादी संगठनों ने हंगामा कर दिया। वीडियो देखने के बाद नाराज बजरंग दल के कार्यकर्ता कीडगंज थाने पहुंच गए। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर नारेबाजी की। पुलिस ने समझाया कि आरोपी के खिलाफ पहले ही केस दर्ज कर लिया गया है। उसकी तलाश की जा रही है। इस पर बजरंग दल कार्यकर्ता लौट गए।

सोशल मीडिया पर अपलोड किया वीडियो : चौकी प्रभारी नई बस्ती उमाशंकर सिंह ने तहरीर दी है कि बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से हबीब खान नाम व्यक्ति धर्म विशेष के खिलाफ आहत करने वाली बातों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहा है। इससे लोगों में जन आक्रोश की स्थिति पैदा हो सकती है। इस वीडियो से समाज में वैमनस्यता फैल सकती है। तहरीर पर कीडगंज थाने में आरोपी हबीब खान के खिलाफ धार्मिक टिप्पणी, आईटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी कीडगंज दीपा सिंह ने बताया कि कुछ लोग थाने पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग को लेकर आए थे। उन्हें बताया गया कि वायरल वीडियो संज्ञान में लेकर पुलिस केस दर्ज कर चुकी है। आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। इस पर लोग चले गए।

आरोपी की तलाश में लगी दो टीमें : धर्म विशेष के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर वीडियो बनाकर वायरल करने के मामले में कीडगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई हुए केस दर्ज कर लिया है। साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की गई है। दोनों टीमें उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

शारीरिक दक्षता टेस्ट में फेल तो दोबारा टेस्ट नहीं

हाईकोर्ट ने कहा– कमाऊ सदस्य की अचानक हुई मौत से आए आर्थिक संकट से उबारने का नियम

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निर्णय दिया है कि मृतक आश्रित कोटे के तहत दरोगा पद पर नियुक्ति में शारीरिक दक्षता टेस्ट में एक बार विफल होने पर दूसरा मौका नहीं दिया जा सकता।

वह अन्य उचित पद पर नियुक्ति की मांग कर सकती है। कोर्ट ने कहा आश्रित कोटे में नियुक्ति भर्ती का वैकल्पिक श्रोत नहीं है। यह परिवार के कमाऊ सदस्य की अचानक हुई मौत से आये आर्थिक संकट से उबारने का नियम है। कोर्ट ने कहा याची विपक्षी दौड़ में योग्यता मानक पाने में विफल रही तो उसे दूसरा मौका नहीं दिया जा सकता।

एकलपीठ का आदेश उचित नहीं है और रद होने योग्य है। कोर्ट ने कहा है कि उचित पद पर वह नियुक्ति की अर्जी देती है तो उस पर विचार किया जाय और एक माह में उसकी योग्यता के अनुसार नियुक्ति पर निर्णय लिया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति एम सी त्रिपाठी तथा न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश की वैधता की चुनौती में दाखिल राज्य सरकार की विशेष अपील को निस्तारित करते हुए दिया।

मुजफ्फरनगर के मामले में कोर्ट ने साफ किया आदेश

मालूम हो कि मुजफ्फरनगर की याची विपक्षी गीता रानी के पति मानसिंह हेड कांस्टेबल थे। सेवाकाल में उनकी मृत्यु हो गई। याची विपक्षी ने आश्रित कोटे में नियुक्ति की अर्जी देकर दरोगा पद पर नियुक्ति की मांग की।

संक्षिप्त

अब निवेश के लिए कर्ज की तलाश कर रहा है भारतीय कॉरपोरेट क्षेत्र : एसबीआई चेयरमैन

नयी दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा है कि कॉरपोरेट क्षेत्र से कर्ज की मांग बढ़ रही है और पांच लाख करोड़ रुपये का ऋण प्रक्रिया में हैं। खारा ने कहा कि जहां पिछले कुछ वर्षों के दौरान कंपनियों के बही–खाते में पर्याप्त नकदी अधिशेष था, लेकिन वहीं अब उन्होंने कार्यशील पूंजी जरूरतों और क्षमता विस्तार के लिए कर्ज की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, "अब हम ऐसे चरण में आ गए हैं, जहां उन्होंने (कॉरपोरेट) अपनी क्षमता बढ़ाने या कार्यशील पूंजी की जरूरत को पूरा करने उद्देश्य से बैंकों से संपर्क करना शुरू कर दिया है। बेशक, यह मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं। जब हम नहीं लिए गए मियादी ऋण प्रतिशत को देखते हैं, तो यह 25 से घटकर 18 प्रतिशत पर आ गया है।'' उन्होंने कहा कि इसलिए ये सभी बातें इस बात की पुष्टि करती हैं कि निजी क्षेत्र में अवसर मौजूद रहेंगे और एसबीआई इस क्षेत्र के लिए मूल्य सृजन करने की स्थिति में होगा। एसबीआई चेयरमैन ने कहा, "साथ ही जब हम नए प्रस्तावों की पाइपलाइन को देखते हैं, तो यह काफी अच्छी है। यह लगभग पांच लाख करोड़ रुपये या उससे अधिक है।'' खुदरा कृषि और एमएसएमई (आरएएम) ऋण के संबंध में खारा ने कहा कि उच्च ब्याज दर के बावजूद एसबीआई इस वर्ष भी 16 प्रतिशत की दर से वृद्धि कर सकता है। बीते वित्त वर्ष में एसबीआई का आरएएम 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 21 लाख करोड़ रुपये रहा है।

एटीएम से पैसे निकालना महंगा पड़ेगा... इंटरचेंज फीस में हो सकती है बढ़ोतरी

एटीएम उद्योग परिसंघ (सीएटीएमआई) ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से इंटरचेंज फीस में बढ़ोतरी करने का अनुरोध किया है। यह शुल्क ग्राहकों द्वारा एटीएम से कैश निकालने के लिए दिया जाता है और सीएटीएमआई इसे बढ़ाकर अधिकतम 23 रुपये प्रति लेनदेन करना चाहता है। इंटरचेंज शुल्क का

भुगतान कार्ड जारी करने वाले बैंक द्वारा उस बैंक को किया जाता है जहां कार्ड का उपयोग कैश निकालने के लिए किया जाता है। वर्तमान में, बैंक बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली दिल्ली में बचत बैंक खाताधारकों को प्रति माह न्यूनतम पांच मुफ्त लेनदेन की सुविधा प्रदान करते हैं। किसी भी अन्य बैंक के एटीएम से तीन लेनदेन निःशुल्क हैं। एटीएम निर्माता एजीएस ट्रांजैक्ट टेक्नोलॉजीज के कार्यकारी निदेशक स्टेनली जॉनसन ने इकनॉमिक टाइम्स को बताया कि पिछली बार इंटरचेंज दर में दो साल पहले बढ़ोतरी की गई थी। उन्होंने कहा कि सीएटीएमआई ने शुल्क को बढ़ाकर 21 रुपये करने का अनुरोध किया है, जबकि कुछ अन्य एटीएम निर्माताओं ने शुल्क को बढ़ाकर 23 रुपये करने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा, षपिछली बार इसे बढ़ाने में कई साल लग गए थे, लेकिन मुझे लगता है कि हर कोई एकजुट है और यह केवल समय की बात है कि शुल्क में वृद्धि कब होगी।'' वर्ष 2021 में, एटीएम ट्रांजैक्शन पर इंटरचेंज फीस 15 रुपये से बढ़ाकर 17 रुपये कर दी गई थी। उस समय, ग्राहक से लिए जाने वाले शुल्क की सीमा 20 रुपये से बढ़ाकर 21 रुपये प्रति ट्रांजैक्शन कर दी गई थी।

सेंसेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा, 77100 के पार हुआ, निफ्टी ने भी बनाया नया रिकॉर्ड

भारतीय शेयर बाजार लगातार नई ऊंचाइयों को छूता जा रहा है। घरेलू निवेशकों की जबर्दस्त खरीदारी को देखते हुए स्टॉक मार्केट लगातार ऊपर उछलता जा रहा है। वही सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा जब भारतीय शेयर बाजार में रिकॉर्ड के साथ हाई लेवल पर पहुंच गया। खुदरा मुद्रास्फीति के मई में एक साल के निचले स्तर पर पहुंचने तथा आईटी शेयरों की लिवाली के बीच बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 538.89 अंक उछलकर 77,145.46 अंक के अपने सर्वकालिक शिखर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 158.1 अंक चढ़कर 23,481.05 अंक के अपने रिकॉर्ड शिखर पर पहुंचा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से विप्रो, टेक महिंद्रा, नेस्ले, टाइटन, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फिनसर्व के शेयरों में सबसे अधिक तेजी आई। हिंदुस्तान यूनिलीवर और पावर ग्रिड के शेयरों को नुकसान हुआ। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहा, जबकि जापान का निक्की तथा चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार बुधवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य उत्पादों की कीमतों में मामूली कमी आने से खुदरा मुद्रास्फीति मई के महीने में एक साल के निचले स्तर 4.75 प्रतिशत पर आ गई और यह भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे में बनी रही। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82.30 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में बुधवार को लिवाल रहे और शुद्ध रूप से 426.63 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर खरीदे।

वेस्टइंडीज टीम ने सुपर 8 के लिए किया क्वॉलिफाई, न्यूजीलैंड पर लटकी तलवार

साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद अब वेस्टइंडीज की टीम ने सुपर 8 के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। त्रिनिदाद में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को मात दी। इसी के साथ टूर्नामेंट की मेजबान टीम ने ग्रुप सी से सुपर 8 में ~~जगह बना ली है। जबकि~~ न्यूजीलैंड टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने की तलवार लटक रही है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में एक और टीम पहुंच गई है। साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद अब वेस्टइंडीज की टीम ने सुपर 8 के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। त्रिनिदाद में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को मात दी। इसी के साथ टूर्नामेंट की मेजबान टीम ने ग्रुप सी से सुपर 8 में जगह बना ली है। जबकि न्यूजीलैंड टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने की तलवार लटक रही है। बता दें कि, कीवी टीम के पास सुपर–8 में पहुंचना लगभग नामुमकिन हो गया है। हालांकि, थोड़े बहुत चांस टीम के सुपर 8 में पहुंचने के अभी भी बाकी हैं। लेकिन इसके लिए न्यूजीलैंड को पहले तो अपने दोनों बचे हुए मैच जीतने होंगे और फिर बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं, अगर अफगानिस्तान ने शुक्रवार 14 जून को पापुआ न्यू गिनी को हरा दिया तो न्यूजीलैंड आधिकाकिरक तौर पर टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। सुपर–8 के क्वॉलिफिकेशन के नजरिए से ग्रुप सी की पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो वेस्टइंडीज की टीम तीन मैचों में जीत दर्ज करके सुपर–8 में पहुंच गई है। वहीं, अफगानिस्तान, युगांडा, पापुआ न्यू गिनी और न्यूजीलैंड में से कोई एक टीम इस ग्रुप से सुपर 8 के लिए पहुंचेगी। मौजूदा समय में अपगानिस्तान के सुपर 8 में पहुंचने के चांस ज्यादा हैं, क्योंकि टीम का एक मुकाबला कमजोर पापुआ न्यू गिनी से है, जो दो मुकाबले पहले ही हार चुकी है। इसके अलावा एक मैच वेस्टइंडीज से है। वहीं, युगांडा, पीएनजी और न्यूजीलैंड का नेट रन रेट बहुत ही बेकार है। ऐसे में अगर अफगानिस्तान की टीम अपने दोनों मैच करीबी अंतर से हार भी जाएगी तो भी सुपर 8 में पहुंच सकती है। त्रिनिदाद में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 149 रन बनाए थे। यहां तक की टीम के 9 विकेट 18वें ओवर में ही गिर गए थे। उस समय टीम का स्कोर महज 112 रन था, लेकिन शेरफन रदरफोर्ड ने आखिरी दो ओवरों में अकेले 37 रन बनाए और मैच पलट दिया था। वहीं, जब न्यूजीलैंड की टीम 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 136 रन बना सकी और मुकाबला 13 रनों से हार गई। कीवी टीम की ये इस टूर्नामेंट में दूसरी हार है। टीम का नेट रन रेट पहले से ही खराब है। ऐसे में टीम अपने दम पर सुपर 8 के लिए क्वॉलिफाई नहीं कर पाएगी। कीवी टीम के टॉप ऑर्डर ने एक बार फिर से निराश किया है जबकि टीम के पांच विकेट 63 रन पर ही गिर गए थे।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने पठानों को लेकर दिया विवादित बयान, शाहिद अफरीदी ने लताड़ा

पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी विवादित बयान देने से बाज़ नहीं आ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान मैच के दौरान पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी कामरान अकमल ने सरदारों को लेकर बेतुकी टिप्पणी की थी वहीं पाकिस्तान के ही पूर्व कोच और खिलाड़ी

एजाज अहमद ने पठानों को लेकर ऐसा बयान दिया कि लोग भड़क गए। एजाज का विवादित बयान पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी को भी पसंद नहीं आया जिन्होंने एजाज की समझ पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद टीवी चौनल पर एजाज ने बेतुका बयान दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि, टीम का 80 प्रतिशत हिस्सा खैबर पख्तूनख्वा जैसे दूरदराज इलाकों से आता है। अगर टीम का चयन होता है तो यहां करीब 6 से 8 खिलाड़ी पठान ही होते हैं। ये खिलाड़ी पढ़े–लिखे नहीं होते, ये खिलाड़ी सुबह उठकर सिर्फ नमाज पढ़ते हैं, दोपहर में अपने वालिद, भाई या चाचा के साथ मस्जिद जाकर नमाज पढ़ते हैं और फिर अपने घर आ जाते हैं। इस वजह से दबाव की स्थिति में वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। पूर्व कप्तान और पठान कौम से आने वाले शाहिद अफरीदी इस बयान पर काफी भड़क गए। उन्होंने कहा कि एजाज जैसे सीनियर से उन्हें ऐसे बेतुके बयान की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि, इतने सीनियर खिलाड़ी से ऐसी बात की उम्मीद नहीं थी। वह बात करते हैं पठानों की ग्रूमिंग की बात करते हैं। मैं तो हैरान हूं, वह खुद 60–65 साल की उम्र के हो गए हैं और अब तक ग्रूम नहीं हुए हैं। उन्हें ऐसी बात नहीं करनी चाहिए। कौमियत की बात न करें आप पाकिस्तान से इतना खेले हुए हो ऐसी बात करो जिससे इस कौम को एक किया जा सके। सिंधी, पठान में तो हम पहले ही बंटे हुए हैं, ऐसा न करें।

फ्लोरिडा मियामी में बाढ़ का खतरा, टी20 वर्ल्ड कप के ये मुकाबले हो सकते हैं रद्द

टीम इंडिया न्यूयॉर्क से फ्लोरिडा के लिए निकल गई है। जहां उसे 15 जून यान शनिवार को कनाडा के खिलाफ मुकाबला खेलना है। लेकिन उससे पहले फ्लोरिडा में बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। बता दें कि, 11 जून को फ्लोरिडा में श्रीलंका और नेपाल टी20 वर्ल्ड कप मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। अब ऐसा लगता है कि 14 जून को यूएसए और आयरलैंड, 15 जून को भारत और कनाडा और फिर 16 जून को पाकिस्तान और आयरलैंड का मैच भी बारिश के कारण रद्द हो सकता है। 15 तारीख को भारत और कनाडा के बीच मुकाबला भी 86 प्रतिशत आंधी की भेंट चढ़ जाएगा। जिससे मैच फिर से रद्द हो सकता है। लेकिन टी20 वर्ल्ड कप के संदर्भ में, ये वास्तव में कोई अहम मैच नहीं है, क्योंकि भारत पहले ही सुपर–8 में जगह बना चुका है। लेकिन पाकिस्तान के लिए मुसीबत बढ़ सकती है, अगर पाकिस्तान के बाकी बचे सभी मैच रद्द हो जाते हैं तो टूर्नामेंट में उसका सफर खत्म हो जाएगा।

इस दिन टकराएंगे भारत और ऑस्ट्रेलिया, दोनों ने कर ली सुपर–8 में एंट्री

बीते बुधवार को टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप में अपने तीसरे ग्रुप ए गेम में यूएसए को हराया। जिसके बाद टीम ने सुपर–8 चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नासाउ काउंटी के तेज गेदंबाजों की मददगार विकेट पर केवल 111 रनों का पीछा करते हुए भारत ने 18.2 ओवर में सात विकेट रहते हुए लक्ष्य को हासिल कर लिया है। वहीं, भारतीय टीम सुपर–8 राउंड में अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला डेरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम सैंट लुसिया में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मैच 24 जून को भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा। दरअसल, भारत को पाकिस्तान, अमेरिका और कनाडा और आयरलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। वहीं टीम इंडिया को शनिवार को कनाडा के खिलाफ अपना मुकाबला खेलना है। वहीं लगातार तीन जीत के बाद टीम इंडिया 3 मैचों में 6 प्वाइंट्स के साथ टॉप पर काबिज है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ग्रुप–बी में 3 मैचों में 6 प्वाइंट्स के साथ पहले नंबर पर बना हुआ है। अब तक भारत ने आयरलैंड के अलावा पाकिस्तान और अमेरिका को हराया है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने ओमान के अलावा इंग्लैंड और नामीबिया को शिकस्त दी है।

Paytm Share की कीमत में आया 3% का उछाल, बढ़ने के पीछे के दो प्रमुख कारण जानिए

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के लिए गुरुवार का दिन खुशियों भरा रहा है। पेटीएम के शेयरों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पेटीएम के शेयर की कीमत 415.50 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसके साथ ही कंपनी ने घोषणा भी की है कि कंपनी सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी। इस

साझेदारी की बदौलत यूजर्स को फ्लाइट, बस, मूवी और इवेंट टिकट बुकिंग करने में लाभ हो सकेगा। इसके बाद, गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को अब पेटीएम की सेवाएं मिलेंगी, जिसमें फ्लाइट और बस बुकिंग, मूवी टिकट खरीद और इवेंट बुकिंग शामिल हैं। सैमसंग वॉलेट से साथ साझेदारी करने के बाद सर्विसेस का उपयोग किया जा सकेगा। सैमसंग ने एक बयान में कहा, षैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ता फ्लाइट, बस और मूवी बुकिंग के लिए पेटीएम ऐप और इवेंट बुकिंग के लिए पेटीएम इनसाइडर ऐप का उपयोग करते हैं, ताकि वे श्सैमसंग वॉलेट में जोड़ेंश कार्यक्षमता का उपयोग करके अपने टिकट सीधे सैमसंग वॉलेट में जोड़ सकें। इससे वे हवाई अड्डों, बस टर्मिनलों, सिनेमा हॉल, इवेंट स्थलों आदि में प्रवेश करने के लिए इन तक आसानी से पहुँच सकेंगे। बता दें कि बीमा नियामक इरडा ने सामान्य बीमा उत्पादों के निर्माता के रूप में पेटीएम जनरल इंश्योरेंस के पंजीकरण वापसी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है। पेटीएम ने कहा, ष्यह कदम स्वास्थ्य, जीवन, मोटर, दुकान और गैजेट्स खंडों में बीमा वितरण को दोगुना करने की हमारी दिशा के अनुरूप है, जिसे हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड (पीआईबीपीएल) के माध्यम से सुगम बनाया गया है।

जीएसटी काउन्सिल की बैठक 22 जून को, ऑनलाइन गेमिंग पर कर की समीक्षा की संभावना

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक 22 जून को होगी। इसमें ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र पर 28 प्रतिशत जीएसटी के कार्यान्वयन की समीक्षा की जा सकती है। जीएसटी परिषद सचिवालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक 22 जून, 2024 को नयी दिल्ली में होगी।'' परिषद की पिछली बैठक सात अक्टूबर, 2023 को हुई थी, जिसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्री शामिल हुए थे। बैठक के एजेंडा की जानकारी अभी परिषद के सदस्यों को नहीं दी गई है। लोकसभा चुनाव के बाद यह परिषद की पहली बैठक होगी। जीएसटी परिषद ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए दांव के पूर्ण मूल्य पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने के फैसले की समीक्षा कर सकती है। यह कर एक अक्टूबर, 2023 से लागू हुआ था। जुलाई और अगस्त में अपनी बैठकों में जीएसटी परिषद ने ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ को कर योग्य दावों (बेट) के रूप में शामिल करने के लिए कानून में संशोधन को मंजूरी दी थी। साथ ही स्पष्ट किया था कि ऐसी आपूर्तियों के मामले में पूरे दांव मूल्य पर 28 प्रतिशत कर लगेगा। उस समय कहा गया था कि

कार्यान्वयन की समीक्षा छह महीने बाद यानी अप्रैल, 2024 में की जाएगी। चूंकि अप्रैल के बाद से जीएसटी परिषद की कोई बैठक नहीं हुई है, इसलिए परिषद की 22 जून की बैठक में ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र के कराधान की समीक्षा की उम्मीद है। जीएसटी परिषद के समक्ष एक अन्य महत्वपूर्ण लंबित मुद्दा दरों को युक्तिसंगत बनाना है और उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की अध्यक्षता में एक समिति को आवश्यक दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए सुझाव देने का अधिकार दिया गया है। जीएसटी परिषद अपनी 22 जून की बैठक में प्रक्रिया को तेज करने और समिति द्वारा अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने का निर्णय ले सकती है। जीएसटी व्यवस्था में वर्तमान में 0, 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत के पांच कर स्लैब हैं। विलासिता और अहितकर वस्तुओं पर उच्चतम 28 प्रतिशत कर दर के अलावा उपकर भी लगाया जाता है। डेलॉयट इंडिया की भागीदार एम एस मणि ने कहा कि परिषद को बहुप्रतीक्षित दरों को तर्कसंगत बनाने की चर्चा करनी होगी। उन्होंने कहा, '' इसके अलावा, प्राकृतिक गैस जैसे कम प्रभाव वाले पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में शामिल करने का प्रारंभिक प्रयास व्यवसाय के लिए अत्यधिक लाभकारी होगा।'' केपीएमजी इन इंडिया के साझेदार एवं प्रमुख (अप्रत्यक्ष कर) अभिषेक जैन ने कहा कि अक्टूबर से पहले ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र के लिए कर देयता, ईएसओपी की कर देयता, कॉरपोरेट गारंटी कर देयता सहित कई स्पष्टीकरणों पर विचार किया जा रहा है। हालिया मुकदमों के कारण विभिन्न दर–संबंधी स्पष्टीकरण भी अपेक्षित हैं। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के भागीदार रजत बोस ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग पर कराधान और अक्टूबर, 2023 में पेश किए गए मूल्यांकन नियमों की समीक्षा जैसे प्रमुख उद्योग मुद्दों पर गौर करने की जरूरत है।

सम्पादकीय.......

सरकार से दरकार

गठबंधन धर्म की जरूरतों के मुताबिक, नरेंद्र मोदी सरकार की तीसरी पारी का जंबो मंत्रिमंडल अपरिहार्य था। जाहिरा तौर पर मंत्रिमंडल के गठन में अनुभव,युवा, जातीय समीकरण, गठबंधन के दायित्व और आगामी विधानसभा चुनाव की प्राथमिकताएं स्पष्ट नजर आती हैं। जिसके चलते तीस कैबिनेट मंत्रियों को ताजपोशी हुई है। बहत्तर सदस्यीय मंत्रिमंडल में तीस कैबिनेट मंत्रियों में बिहार को तरजीह देना स्वाभाविक ही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू गठबंधन में एक बड़ा सहयोगी घटक है। वहीं मंत्रिमंडल में बड़े घटक टीडीपी व जद (सेक्यूलर) की भी उपस्थिति है। उत्तर प्रदेश में जातीय समीकरण गड़बड़ाने के बाद चालीस से अधिक ओबीसी, एससी व अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधियों को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मध्यप्रदेश, हरियाणा व कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री भी मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। दरअसल, महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखंड के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भी इन राज्यों के ज्यादा मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर पंजाब में तेरह सीटों में एक भी प्रत्याशी के सफल न होने के बावजूद 2027 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर नया युवा नेतृत्व तैयार करने की कवायद शुरू की गई है। पूर्व कांग्रेसी सांसद रवनीत सिंह बिट्टू को मंत्रिमंडल में शामिल करना इसी रणनीति का हिस्सा है। कह सकते हैं कि मंत्रिमंडल के गठन में संवेदनशील ढंग से रणनीति को अंजाम दिया गया। विश्वास किया जाना चाहिए कि लंबे चले चुनाव प्रचार अभियान में जो राजनीतिक व सामाजिक तौर पर कथित बांटने की कवायद वोटों के लिए की गई, उस पर अब विराम लगना ही चाहिए। आशा करें कि नई सरकार कार्यभार संभालने के बाद विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएगी। जब हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात करते हैं तो पहली शर्त यही होगी कि कथित तौर पर विभाजनकारी राजनीति से परहेज करके सिर्फ और सिर्फ विकास के मुद्दे पर सरकार अपना ध्यान केंद्रित करे। आरोप–प्रत्यारोपों की राजनीति पर विराम लगाकर मिलजुलकर देश को नई दिशा देने का प्रयास होना चाहिए। बहरहाल, अब कहा जा रहा है कि आजादी के बाद यह दूसरा अवसर है जब पं. नेहरू की तरह लगातार तीसरी बार भाजपा नीत सरकार बनी है। ऐसे कहने का अर्थ है कि सरकार की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। तब तुलना यह भी की जाएगी कि किस सरकार के कार्यकाल में हकीकत के धरातल पर ज्यादा विकास हुआ। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल पर देश–दुनिया की निगाहें लगी हैं। गठबंधन सरकार को पिछली सरकारों से बेहतर प्रदर्शन करके भी दिखाना होगा। राजग सरकार को स्वीकारना होगा कि यह एक गठबंधन सरकार है। यूं तो पिछली सरकार में भी राजग गठबंधन अस्तित्व में था, लेकिन इस बार पूर्ण बहुमत न मिलने के कारण भाजपा की सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ गई है। जिसके चलते मोदी सरकार के लिये पिछले कार्यकाल की तरह पार्टी के एजेंडे को लागू करने में खुला हाथ न मिलेगा। जाहिर है कि भाजपा को कई महत्वाकांक्षी मुद्दों मसलन 'एक देश, एक चुनाव' व यूनिफॉर्म सिविल कोड आदि के क्रियान्वयन को ठंडे बस्ते में डालना पड़ सकता है। गठबंधन की मजबूरी के साथ ही सरकार को अपेक्षाकृत ज्यादा मजबूत विपक्ष से सामना करना पड़ेगा। निस्संदेह, शासन–प्रशासन का नरेंद्र मोदी के पास लंबा अनुभव है, लेकिन इस बार लचीलेपन का भी सहारा लेना पड़ेगा। हालांकि, राजग में नेतृत्व तय करने व मंत्रिमंडल गठन में सहयोगी दलों का बड़ा दबाव नजर नहीं आया, लेकिन भविष्य की चुनौतियों से इनकार नहीं किया जा सकता। बहरहाल, विकास कार्यों को गति देने में सरकार को दिक्कत नहीं आनी चाहिए। वैसे भी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू विकास के लिये प्रतिबद्ध मुख्यमंत्रियों के रूप में याद किये जाते हैं। कोशिश हो कि राजनीतिक विरोधियों को भी साथ लेकर चला जाए ताकि संसद के पिछले कार्यकाल में पैदा हुआ गतिरोध फिर से न दोहराया जाए। बहरहाल, अब चाहे देश को विकसित राष्ट्र बनाने की बात हो या फिर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की बात, यह काम गठबंधन के सहयोगी दलों व व विपक्ष के साथ बेहतर सामंजस्य के साथ ही संभव हो सकता है। विकास के बड़े लक्ष्यों को हासिल करने से पहले देश में बेरोजगारी कम करने व समतामूलक विकास की स्थापना मोदी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अमन और सद्भाव सबसे बड़ी जरूरत

एजेंसी

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह भी स्थितियों को संभालने में नाकाम रहे हैं, फिर भी पद पर बने ही हुए हैं। एक बार आधे–अधूरे तरीके से इस्तीफे की पेशकश उन्होंने की, लेकिन इससे राज्य में शांति बहाली नहीं हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत हो चुकी है। शपथग्रहण के बाद अब मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा भी हो गया है, जिसमें कोई बड़ा फेरबदल नहीं हुआ है। गृह, रक्षा, विदेश, वित्त और रेल मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग अब भी उन्हीं मंत्रियों के पास हैं, जिनके पास पिछली बार थे। जबकि इस बार सरकार का गठन जिस तरह जदयू और तेदेपा के साथ मिलकर हुआ है, उसमें कयास लगाए जा रहे थे कि ये दल अपने लिए महत्वपूर्ण विभाग मांग सकते हैं। अब संभवतरू लोकसभा अध्यक्ष को लेकर कोई बड़ा फैसला देखने मिले। लेकिन पुराने मंत्रियों को नयी सरकार में वही विभाग देकर नरेन्द्र मोदी ने यह संदेश देने की कोशिश शायद की है कि उनकी कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं आने वाला है। जिस तरह पिछली दो सरकारें उन्होंने चलाईं, इस बार भी वैसे ही चलाएंगे। अपने इस मंसूबे में वे कितने कामयाब होते हैं और क्या उनके गठबंधन के बाकी साथी उनकी कार्यशैली को सहजता से स्वीकार करते हैं, यह आने वाले वक्त में पता चलेगा। लेकिन देश के जो मौजूदा हालात हैं, उन्हें देखकर प्रधानमंत्री को यह सलाह दी जा सकती है कि वे कम से कम अब घटनाओं और स्थितियों की उपेक्षा करने या अपनी राजनैतिक सुविधा–असुविधा से ऊपर उठकर आम जनत के हित को देखते हुए आवश्यकतानुसार कार्रवाई करें। जिस दिन प्रधानमंत्री शपथ ले रहे थे, उसी दौरान जम्मू–कश्मीर में एक आतंकी हमला हुआ। वैष्णो देवी जा रहे श्रद्धालुओं को इस बार निशाने पर लिया गया। ऐसी किसी भी घटना की फौरन निंदा होनी चाहिए और मृतकों, घायलों की जाति, धर्म को न देखकर सभी के लिए संवेदना जताई जानी चाहिए। मगर कुछ लोगों ने इसमें भी राजनीति करने की कोशिश की। सोशल मीडिया पर इस घटना के बहाने घृणा फैलाने के प्रयास दिखने लगे। इधर मणिपुर में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने सोमवार को जिरीबाम जा रहे पुलिस काफिले पर घात लगाकर हमला किया। इसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। यह घटना मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के जिले के दौरे से ठीक पहले हुई है। अमूमन शांत रहने वाले जिरीबाम जिले में पिछले हफ्ते से तनाव बढ़ रहा है। इसलिए बीरेन सिंह वहां का दौरा करने वाले थे, तभी यह हमला हुआ। इसके बाद से मणिपुर में फिर से जातीय तनाव तेज होने की आशंका जतलाई जा रही है। वैसे भी एक साल से अधिक वक्त से मणिपुर अशांत है। कुकी और मैतेई समूहों के बीच हुए हिंसक संघर्ष में मानवता ने पूरी तरह से दम तोड़ दिया है। ऐसे में प्रधानमंत्री से सहज अपेक्षा थी कि वे कम से कम एक बार इस अशांत प्रदेश में जाते और अमन कायम करने की कोशिश करते। लेकिन श्री मोदी ने इस ओर निराश ही किया। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह भी स्थितियों को संभालने में नाकाम रहे हैं, फिर भी पद पर बने ही हुए हैं। एक बार आधे–अधूरे तरीके से इस्तीफे की पेशकश उन्होंने की, लेकिन इससे राज्य में शांति बहाली नहीं हुई। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी इस मामले में बड़ा बयान देते हुए एक तरह से नयी सरकार को नसीहत दी है। नागपुर में संघ के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि श्मणिपुर में शांति का इंतजार करते हुए एक साल हो गया है। पिछले 10 सालों से राज्य में शांति थी, लेकिन अचानक राज्य में फिर से बंदूक संस्कृति बढ़ गई। ऐसा लगता था कि पुरानी बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है। वहां अचानक कलह उपज गया या उपजाया गया, उसकी आग में अभी तक जल रहा है, त्राहि–त्राहि कर रहा है और उस पर ध्यान नहीं है? प्राथमिकता देकर इस पर विचार करना हमारा कर्तव्य है।य यहां हमारा से आशय निश्चित ही केंद्र सरकार से है। हमारा कहकर संघ प्रमुख ने बता दिया कि भाजपा अब भी उन्हीं की है, अब भाजपा संघ को कितना अपना मानती है और कितना नहीं, यह जे पी नड्डा ही बता सकते हैं। बहरहाल, संघ प्रमुख की नसीहत बिल्कुल सही है। बंदूक संस्कृति या जातीय, सांप्रदायिक हिंसा के लिए कहीं भी जगह नहीं होनी चाहिए। अगर आग लगे तो उसे फौरन शांत करने के उपाय होने चाहिए। ऐसा नहीं होने पर कितने गंभीर परिणाम होते हैं, मणिपुर इसका ज्वलंत उदाहरण है। अशांति की चिंगारी इस वक्त छत्तीसगढ़ में भी भड़की है। यहां के बलौदाबाजार में एक उग्र प्रदर्शन में कलेक्टर और एसपी के दफ्तरों में ही आग लगा दी गई, इसके अलावा सौ से ज्यादा गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया गया, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ–साथ आम जनता को भी आतंकित किया गया। हालात ऐसे बन गए कि अब यहां धारा 144 लागू करनी पड़ रही है। दरअसल 15–16 मई की आधी रात को अज्ञात लोगों ने सतनामी समुदाय के धार्मिक स्थल गिरौदपुरी धाम से करीब पांच किमी मानाकोनी बस्ती स्थित बाघिन गुफा में लगे धार्मिक चिन्ह जैतखाम को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस प्रशासन ने इस पर तत्काल कार्रवाई भी शुरु कर दी, लेकिन सतनामी समाज के लोग इससे संतुष्ट नहीं हुए। 9 जून को गृहमंत्री ने न्यायिक जांच के आदेश भी दिए और 10 जून को सतनामी समाज के लोगों ने दशहरा मैदान में प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी। लेकिन इस दिन अप्रत्याशित रूप से कम से कम 5 हजार लोगों की भीड़ जमा हो गई और उसके बाद अविचारित हिंसा और तोड़–फोड़ का ऐसा आलम हुआ कि इस राज्य के लोग हतप्रभ हैं। छत्तीसगढ़ नक्सल समस्या से तो ग्रस्त रहा है, लेकिन सांप्रदायिक, जातीय उन्माद के लिए यहां कोई जगह नहीं रही। पिछली भूपेश सरकार के वक्त साजा के बीरनपुर गांव में भुवनेश्वर साहू की हत्या और दो दिन बाद दो मुस्लिम युवकों की हत्या की सांप्रदायिक घटना हुई थी। इसके बाद अभी दो दिन पहले इसी राज्य के आरंग में मवेशी ले जाने वाले दो लोगों की भीड़ ने हत्या कर दी, जिसकी जांच के लिए सरकार ने एसआईटी का गठन कर दिया है। और अब बलौदाबाजार की घटना हो गई, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन देते हुए सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की है। राज्य सरकार तो अपने स्तर और क्षमता के अनुरूप काम कर ही रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल में इस बात पर खास ध्यान देने की जरूरत है, जिन राज्यों में अब तक शांति बनी रहती थी, वहां इस तरह की घटनाएं क्यों होने लगी हैं। अमन और सद्भाव इस वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है।

अविश्वास के साथ गठबन्धन धर्म को कैसे निभाएंगे मोदी

डॉ. दीपक पाचपोर

18वीं लोकसभा के लिये हुए चुनावों में जीत दर्ज कर नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री तो बन गये हैं लेकिन वे पहली दो बार की तरह वैसा बड़ा जनादेश लेकर नहीं लौटे हैं। उनकी भारतीय जनता पार्टी के 2014 में 282 और 2019 में 303 सदस्य जीते थे। वैसे तो उन्हें बहुमत के बाद सहयोगी दलों यानी नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीए) के समर्थन की जरूरत ही नहीं थी परन्तु उन्होंने दोनों बार कुछ सदस्यों को मंत्री पद दिये थे। इस बार मजबूरी है। खुद की केवल 240 सीटें आने के बाद वे फिर से जो पीएम की गद्दी पर बैठे हैं तो वह आंध्रप्रदेश के चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के 16 और बिहार के नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की टिकट पर जीते 12 सांसदों की बदौलत। बाकी सहयोगी पार्टियां इतनी कम सीटें लेकर आई हैं कि टीडीपी व जेडीयू के बिना उनका काम चल ही नहीं सकता। चूंकि दोनों दलों के साथ भाजपा के सम्बन्धों का अच्छा और बुरा दोनों ही दौर रहा है, सो लोग आश्चर्य कर रहे हैं कि ये साथ–साथ कैसे काम कर सकेंगे? ऐसे कयास भी लगाये जा रहे हैं कि आखिरकार यह सरकार कब तक चलेगी? सभी जानते हैं कि आज की भाजपा अटल बिहारी वाजपेयी के वक्त का दल नहीं है जो कई–कई पार्टियों के साथ गठबन्धन कर सरकार चला चुकी है। गठबन्धन धर्म के मूल में परस्पर सम्मान व विश्वास होता है जो मोदी और उनके प्रमुख सिपहसालार यानी गृह मंत्री अमित शाह में नहीं है। जिनके साथ भाजपा हाथ मिलाती है, उसे अपने हाथों की उंगलियों को गिनना पड़ता है कि पूरी हैं या नहीं। महाराष्ट्र में शिवसेना, पंजाब में अकाली दल, रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी आदि उदाहरण हैं। अब मोदी–शाह का पाला बहुत सावधान दलों से पड़ा है– टीडीपी व जेडीयू। दोनों ही अपने अस्तित्व को लेकर सदैव सावधान एवं विस्तार के प्रति हमेशा उत्सुक रहती हैं।दोनों अच्छे मोल–भाव करने वाले हैं। जैसा सुलूक दूसरे दलों के साथ मोदी ने किया, वैसा इनके साथ करना मुश्किल होगा। दोनों में से किसी को भी महसूस हुआ कि भाजपा उसकी जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है तो उन्हें एनडीए को जय श्रीराम कहने में देर नहीं लगेगी। वैसे यह भी माना जा रहा है और जैसा सभी एक स्वर में कह रहे हैं कि जोड़–तोड़ कर सरकार बनाना तो एक बात है, उसे चलाना दूसरी बात। इसमें मुख्य रूप से आड़े आएगी मोदी की प्रवृत्ति। तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हों या दस साल से पीएम–मोदी किसी के साथ विचार–विमर्श की परम्परा का हिस्सा नहीं बने। विपक्षी दलों की बात तो दूर है, अपने ही दल या यहां तक कि मंत्रिमंडल के साथ चर्चा कर उन्होंने कोई काम नहीं किया। ऐसे में सवाल यह उठाया जा रहा है कि इस बार क्या वे अपनी आदत बदलेंगे? फिर, उनकी अपनी पार्टी के मंत्री–सांसद तो यह तरीका स्वीकार कर चुके हैं और जो सहयोगी दल मोदी पर आश्रित हैं या जिनके कारण उनकी सरकार का कुछ बनता–बिगड़ता नहीं है, वे भी एनडीए को समर्थन देते रहेंगे। टीडीपी एवं जेडीयू सम्भवतरूमोदी के इस रवैये को न तो पसंद करेंगे और न ही स्वीकार। उन्हें महत्वपूर्ण निर्णयों में शामिल न करने से ये दल सोच सकते हैं कि मोदी ने उन्हें एनडीए में शामिल तो कर लिया है लेकिन उन पर विश्वास नहीं किया जा रहा है।जहां तक मंत्रिमंडल के विकास सम्बन्धी जो कार्यकलाप होंगे उन पर तो सामान्य चर्चाओं में सभी घटक दल शामिल किये जा सकते हैं परन्तु ऐसे कुछ विषय जिन पर वैचारिक विभिन्नता है, उन पर अगर मोदी सरकार ने एकतरफा निर्णय लिये तो एनडीए में खटास पैदा हो सकती है। यहां फिर से मुख्य सन्दर्भ टीडीपी व जेडीयू का है। अल्पसंख्यकों एवं ओबीसी ही नहीं, भाजपा के एजेंडे से सम्बन्धित कोई भी निर्णय अब सम्भवतरू एकतरफा नहीं लिया जा सकेगा। अहम विभाग खुद के पास और गैर महत्वपूर्ण विभागों को सहयोगी दलों को देकर भाजपा ने जतला दिया है कि वह अपनी पिछली सरकार के छोड़े गये कार्यों को ही आगे बढ़ायेगी, परन्तु उससे यह भी साफ हो जाता है कि भाजपा का अन्य किसी पर भरोसा नहीं है। इस बात का बड़ा शोर है कि जिस प्रकार से अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए (1999–2004) सरकार में टीडीपी ने अपने सदस्य जीएमसी बालयोगी को लोकसभा अध्यक्ष बनवाया था, वैसा ही वह इस बार भी मांग करने जा रही है। दलबदल की स्थिति में अध्यक्ष की भूमिका एवं उसके फैसले बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इसलिये इस पद के लिये खींचतान व मनमुटाव दोनों हो सकता है। दूसरी तरफ, अमित शाह को फिर से गृह मंत्री बनाना यह बतलाता है कि श्ऑपरेशन लोटसश्च जारी रहेगा। चूंकि भाजपा के लिये जरूरी है कि वह टीडीपी–जेडीयू के दबाव से मुक्त होने के लिये किसी भी तरह से अपने सदस्यों की संख्या को बहुमत के 272 के आंकड़े को छुए– वह पहले तो विपक्षी दलों के सदस्यों पर दबाव डालकर उन्हें अपने खेमे में लाने की कोशिश करेगी। इस प्रक्रिया में अगर उसने अपने किसी सहयोगी दलों को हाथ लगाया तो सम्बन्ध बिगड़ सकते हैं।दृष्टिकोण एवं विमर्शों का टकराव एनडीए की प्रमुख पार्टी भाजपा एवं अन्य दलों के साथ लाजिमी है। खासकर टीडीपी व जेडीयू के साथ खटपट कई विषयों पर हो सकती है लेकिन अब की छोटे दलों का भी रवैया बदला हुआ सा हो सकता है। बहुमत के लिये जितनी बड़ी संख्या में (32) भाजपा को सदस्य जुटाने आवश्यक हैं, उन्हें यह साफ दिख रहा है कि वह काफी कठिन है। वे यह भी जानते हैं कि सरकार बचाने के लिये एक–एक सदस्य का महत्व है। कई दल तो ऐसे हैं जो कम होने पर भी उनका दूसरे परिप्रेक्ष्य में महत्व है। मसलन हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा के जीतन राम मांझी। अकेले जीतकर आने के बाद भी उन्हें इसलिये कैबिनेट पद दिया गया है क्योंकि एक बड़ा समुदाय उनके साथ जुड़ा हुआ है। जीतन राम के जरिये भाजपा को उस वर्ग का समर्थन सभी जगह मिल सकता है। बार–बार कहा जा रहा है कि गठबन्धन धर्म को निभाने के लिये जिस उदारता एवं लचीलेपन की जरूरत है, वह न तो मोदी में है और न ही भाजपा में। यदि मोदी लचीलापन दिखाते हैं तो उनके समर्थन इस रूप को स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि उनके दिल में मोदी की छवि व स्वीकार्यता उनकी कठोरता के कारण ही है। इसी प्रकार भाजपा के उदार होने पर उसे अनेक उन विषयों को छोड़ना पड़ेगा जो उसकी विचारधारा की पहचान रही है। मुस्लिमों के लिये जिस तरह के कार्यक्रमों का टीडीपी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में वादा किया है, उन्हें तो वह लागू करेगी ही क्योंकि लोकसभा चुनाव के साथ हुए विधानसभा चुनाव में टीडीपी को बहुत बड़ा जनादेश मिला है। यहां भाजपा ने उसके साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। हालांकि सरकार तो टीडीपी अकेली बना सकती है परन्तु भाजपा व एक अन्य सहयोगी दल जन सेना पार्टी भी प्रदेश सरकार में शामिल रहेगी। क्या ये फैसले भाजपा के समर्थकों को स्वीकार्य होंगे? ऐसे ही, जेडीयू जातिगत जनगणना की मांग करती आई है। उस मांग को वह भाजपा के दबाव में भी नहीं छोड़ेगी क्योंकि ऐसा करने पर उसे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में नुकसान होगा।

मोदी के तीसरे कार्यकाल में गठबंधन राजनीति की लगाम

कल्याणी शंकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन सरकार ने अभी–अभी कार्यभार संभाला है, और यह अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी कि यह कैसा प्रदर्शन करेगी, यहां तक कि यह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी भी या नहीं। यह सर्वविदित है कि भारत में बहुदलीय सरकारों का इतिहास गड़बड़ा गया है। दिवंगत भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने भी 1998 से 2004 तक 24 दलों के गठबंधन को चलाया था। गठबंधन सरकारों के साथ भारत का अनुभव कुछ हद तक उथल–पुथल भरा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरा कार्यकाल जीता है, जो एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि भी है। लेकिन भाजपा को स्वतंत्र रूप से शासन करने के लिए आवश्यक 272सीटों में से केवल 240 सीटें ही मिलीं। मोदी अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के अन्य दलों के साथ गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी सरकार का भविष्य इन सहयोगियों पर निर्भर करता है और मोदी इतने चतुर राजनीतिज्ञ हैं कि उनसे यह उम्मीद नहीं कि वह परिस्थिति की उनसे क्या अपेक्षा है को न समझ पायें। एनडीए दक्षिणपंथी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र–दक्षिणपंथी पार्टियों का गठबंधन है। हाल के चुनावों में सहयोगियों ने 53 सीटें –हासिल कीं, जिससे एनडीए की कुल सीटें 283 हो गईं, जो सरकार बनाने के लिए आवश्यक संख्या से 21 अधिक हैं। मोदी के लिए यह एक नयी स्थिति है। एक ऐसे नेता के रूप में जो सत्ता को केंद्रीकृत करने में विश्वास करता है, गठबंधन सरकार बनाना मोदी के अधिकार को चुनौती देता है। यह उनके राजनीतिक एजेंडे की दिशा को महत्वपूर्ण रूप से बदल सकता है, जिसके परिणामस्वरूप संभावित रूप से उन नीतियों पर अधिक जोर दिया जा सकता है जो केवल भाजपा के एजेंडे के अनुकूल होने के बजाय विभिन्न गठबंधन भागीदारों को आकर्षित करती हैं। एनडीए गठबंधन सरकार के गठन से प्राथमिकताओं में बदलाव हो सकता है। गठबंधन की नीतियों पर अधिक जोर दिया जा सकता है और मोदी के धार्मिक राष्ट्रवादी एजेंडे में संभावित रूप से नरमी लाई जा सकती है। इसका भारत के राजनीतिक और सामाजिक ताने–बाने पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो अब अपने तीसरे कार्यकाल में हैं, से उम्मीद की जाती है कि वे आर्थिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक कल्याण पर अपनी नीतियों को जारी रखेंगे। फिर भी, उन्हें एक विविधतापूर्ण गठबंधन को संभालने की अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। गठबंधन सहयोगियों से निपटना और संसद चलाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि उन्हें अधिक प्रभावशाली और आधिकारिक विपक्ष का सामना करना पड़ रहा है। अपने तीसरे कार्यकाल में, मोदी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उनके अधिकार की सीमा के बारे में सवाल हैं, खासकर तब जब भाजपा ने अपना बहुमत खो दिया है। नयी राजनीतिक गतिशीलता उभरी है, जिसमें पार्टी के प्राथमिक एनडीए सहयोगी अब सत्तारूढ़ गठबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस बदलाव को क्षेत्रीय राजनीतिक गतिशीलता सहित विभिन्न कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। पहली बड़ी बाधा सरकार बनाना था, जिसके लिए उन्हें गठबंधन की राजनीति की जटिलताओं को समझना था। अपनी मुखर और स्वतंत्र राजनीतिक शैली को जारी रखने में समय और प्रयास लग सकता है। अगला कदम अपने सहयोगियों के लिए संतोषजनक विभागों का आवंटन करना है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों ही कठिन वार्ताकार हैं और महत्वपूर्ण विभागों की मांग करेंगे। छोटे सहयोगी भी प्रमुख मंत्रालयों की देखरेख करके सरकार की नीतियों और निर्णयों को आकार देने में अपना प्रभाव दिखायेंगे। मुख्य बात एनडीए को साथ रखना है। अफवाहों के अनुसार, इंडिया गठबंधन जेडी(यू) और टीडीपी को अपने पाले में लाना चाहता था और अपनी सरकार बनाना चाहता था। यह चाल विफल रही, लेकिन इससे राजनीतिक ताकतों का फिर से गठबंधन हो सकता है, जिससे गठबंधन के भीतर सत्ता का संतुलन बिगड़ सकता है। मोदी के एनडीए सहयोगी वफादार रहेंगे या उनके शासन को कमजोर करेंगे, यह अटकलों और श्लाखों डॉलर के सवालश के दायरे में है। प्रमुख सहयोगियों की अविश्वसनीयता के इतिहास में निहित अनिश्चितता पर नजर रखने की जरूरत है। पिछले दशक में टीडीपी, शिवसेना, एआईएडीएमके और अकाली दल जैसे भाजपा के कुछ प्रमुख सहयोगियों ने अपनी साझेदारी समाप्त कर दी थी। 2018 मेंटीडीपी ने गठबंधन छोड़ दिया क्योंकि आंध्र प्रदेश को विशेष श्रेणी का दर्जा नहीं मिला था। अब टीडीपी और जेडी(यू) फिर से भाजपा के साथ हैं। मोदी को इस बात का ध्यान रखना होगा कि तेलुगु देशम पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) अलग–थलग न पड़ जायें। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार, जिनके पास 28 सीटें हैं, शकिंगमेकरश हैं। वे लंबे समय से अपने–अपने राज्यों के लिए विशेष दर्जे की मांग करते रहे हैं और अपने फिसलन भरे चरित्र के लिए जाने जाते हैं। नीतीश कुमार, जिन्हें उनके लगातार पलटी मारने के कारण पलटू कुमार के नाम से जाना जाता है, ने 2014 में भाजपा द्वारा मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के मुद्दे पर भाजपा के साथ अपनी साझेदारी समाप्त कर ली थी। बाद में वे एनडीए में शामिल हो गये और 2022 में फिर से भाजपा से नाता तोड़कर राजद के साथ सरकार बना ली। इस साल वे फिर से एनडीए में लौट आये हैं। गठबंधन की राजनीति और कमजोर जनादेश के कारण सरकार की महत्वाकांक्षी सुधार योजनाओं के लिए कानून पारित करने में समय और प्रयास लग सकता है। बहुमत न होने के बावजूद, विपक्ष के पास संसदीय समितियों में विवादास्पद विधेयकों को पारित होने से रोकने के लिए पर्याप्त सदस्य होंगे। इसका मतलब है कि भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ाने की मोदी की क्षमता को चुनौती दी जायेगी। समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र, एक चुनाव जैसी महत्वपूर्ण नीतियों को चुनौती दी जा सकती है। नीति–निर्माण की गति धीमी हो सकती है और सरकार के सुधार चार्ट पर पुनर्विचार हो सकता है। राजनीतिक गठबंधनों में बदलाव आश्चर्यजनक नहीं होगा। मोदी अगले दो या तीन वर्षों में अपनी अल्पमत सरकार को बहुमत में बदलने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। लेकिन, शुरू में, सत्ता संतुलन के लिए यह एक कठिन काम होगा।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी में हुई पुष्टि, लीक हुआ ऑडियो इनवाइट

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल कथित तौर पर इस महीने के अंत में अपनी शादी की आधिकारिक घोषणा कर रहे हैं। अब एक रेडडिटर ने सोनाक्षी और जहीर का एक ऑडियो इनवाइट लीक किया है, जिसमें वे अपनी शादी की पुष्टि करते हुए कह रहे हैं कि वे 'उस पल' पर पहुँचने के लिए तैयार हैं, जो उन्हें एक–दूसरे का 'निश्चित और आधिकारिक पति–पत्नी' बना देगा।

ऑडियो इनवाइट के बारे में

पोस्ट में सोनाक्षी और जहीर की तस्वीर के साथ एक टाइटल कार्ड देखा जा सकता है। कार्ड इनवाइट में एक क्यूआर कोड भी है, जिसमें उन दोनों की ओर से उनके शुभचिंतकों के लिए एक संदेश है। सोनाक्षी कहती हैं, "हमारे सभी प्रेमी और जासूस मित्रों और परिवार के सदस्यों को, जो इस पेज पर आने में कामयाब रहे हैं, नमस्ते!" जहीर आगे कहते हैं, "पिछले सात सालों से हम साथ हैं, सारी खुशियाँ, प्यार, हँसी और कई–कई रोमांच हमें इस पल तक ले आए हैं।" सोनाक्षी कहती हैं, वह पल जब हम एक–दूसरे की कथित गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड से एक–दूसरे के पक्के और आधिकारिक पति–पत्नी बन जाते हैं। फिर ज़हीर कहते हैं, एक–दूसरे के पक्के और आधिकारिक पति–पत्नी बनने तक।

अधिक जानकारी

हालिया एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शादी की पार्टी में बॉलीवुड के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल होंगे, जिनमें आयुष शर्मा, हुमा कुरैशी, वरुण शर्मा, फरदीन खान, ताहा शाह बदुशा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजय लीला भंसाली शामिल हैं। सोनाक्षी और ज़हीर ने 2022 की फ़िल्म डबल एक्सएल में अभिनय किया। दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उनका इंस्टाग्राम फ़ीड एक–दूसरे की तस्वीरों से भरा पड़ा है। सोनाक्षी को आखिरी बार संजय लीला भंसाली की नेटफ्लिक्स वेब सीरीज़ हीरामंडीरू द डायमंड बाज़ार में देखा गया था।

> सोनाक्षी कहती हैं, वह पल जब हम एक-दूसरे की कथित गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड से एक-दूसरे के पक्के और आधिकारिक पति-पत्नी बन जाते हैं। फिर ज़हीर कहते हैं, एक-दूसरे के पक्के और आधिकारिक पति-पत्नी बनने तक।

ब्रेकअप की अफवाहों के बीच आदित्य को फैंस ने बुलाया 'दामाद', चंकी पांडे ने किया रिएक्ट

> चंकी पांडे की तस्वीरों पर रिएक्शन देते हुए एक यूजर ने लिखा- 'अपने दामाद जी के साथ... इट्स जोकिंग पास्ता का आखिरी रास्ता।' कई यूजर्स ने फोटो पर रिएक्शन दिया, लेकिन चंकी पांडे ने खुद इस यूजर के कमेंट पर रिएक्शन दिया है।

कुछ दिनों पहले तक जहां बॉलीवुड गलियारों में अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर की नजदीकियों के चर्चे थे, तो वहीं कुछ 2–3 महीने पहले से इनके बीच दूरियों की खबरें आने लगीं। अनन्या और आदित्य के ब्रेकअप के चर्चे के बीच हाल ही में चंकी पांडे ने 2–3 दिन पहले बेटी के एक्स बॉयफ्रेंड के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में चंकी और आदित्य समुद्र के किनारे चिल करते दिखाई दिए थे। दोनों की ये तस्वीरें उस विज्ञापन शूट के दौरान की हैं, जो हाल ही में जारी किया गया था। अब इस फोटो को देखकर यूजर खूब रिएक्शन दे रहे हैं। जैसे ही आदित्य रॉय कपूर और चंकी पांडे की फोटो पर यूजर्स की नजर पड़ी, वह इस पर रिएक्शन दिए बिना नहीं रह पाए।आदित्य रॉय कपूर के साथ चंकी पांडे को देखने के बाद कई यूजर्स ने इन तस्वीरों पर प्रतिक्रिया दी। किसी ने आदित्य को चंकी का एक्स दामाद बताया तो किसी ने दामाद। चंकी पांडे की तस्वीरों पर रिएक्शन देते हुए एक यूजर ने लिखा– 'अपने दामाद जी के साथ३ इट्स जोकिंग पास्ता का आखिरी रास्ता।' कई यूजर्स ने फोटो पर रिएक्शन दिया, लेकिन चंकी पांडे ने खुद इस यूजर के कमेंट पर रिएक्शन दिया है। दरअसल, चंकी पांडे ने इस यूजर के कमेंट को लाइक किया है। चंकी पांडे की इन तस्वीरों और यूजर के कमेंट को लाइक करने के बाद अब लोग तरह–तरह के सवाल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने फोटो पर रिएक्शन देते हुए पूछा कि क्या अभी भी अनन्या और आदित्य साथ हैं? क्या कपल का ब्रेकअप नहीं हुआ है? या फिर चंकी पांडे इस बार यूजर्स के साथ जोकिंग करने के लिए ये कमेंट लाइक किया है। पिछले दिनों कई खबरें आईं कि अनन्या और आदित्य ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। पहले जहां अक्सर दोनों को साथ देखा जाता था, वहीं लंबे समय से इन्हें साथ नहीं देखा गया। जिसके चलते ब्रेकअप के चर्चे और भी तेज हो गए। बता दें, आदित्य और अनन्या एक दूसरे को 2 साल से डेट कर रहे थे। दोनों को साथ में वेकेशन पर भी जाते देखा गया। हालांकि, अब तक आदित्य या अनन्या की ओर से ब्रेकअप की खबरों पर कोई रिएक्शन नहीं आया है।

कंगना रनौत के थप्पड़ विवाद पर करण जौहर ने किया रिएक्ट, जानें फिल्म निर्माता ने क्या कहा ?

पिछले सात सालों से अभिनेत्री से राजनेता बनी कंगना रनौत और मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर के बीच जुबानी जंग चल रही है। यह सब तब शुरू हुआ जब कंगना करण के चौट शो कॉफी विद करण में आईं और निर्देशक को श्भाई–भतीजावाद का प्रतीकश कहा। तब से लेकर अब तक कई मौकों पर कंगना ने करण जौहर के खिलाफ कई बातें कही हैं, वहीं करण भी कंगना को जवाब देने से पीछे नहीं हटे हैं, लेकिन आज कुछ अलग हुआ है। हाल ही में जब कंगना रनौत पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए दिल्ली जाने के लिए चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचीं तो उन्हें ब्प्ैथ् के सुरक्षा गार्ड ने थप्पड़ मार दिया। करण जौहर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए जहां उनसे कंगना के थप्पड़ विवाद पर प्रतिक्रिया मांगी गई। आज करण जौहर अपने प्रोडक्शन हाउस की अगली फिल्म 'किल' के ट्रेलर रिलीज के दौरान मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। उस दौरान किसी ने उनसे कंगना के थप्पड़ विवाद पर उनके विचार पूछे। इस सवाल के जवाब में निर्देशक ने कहा, श्मैं किसी भी तरह की शारीरिक या मौखिक हिंसा का समर्थन नहीं करता हूं।श करण जौहर का यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। कई यूजर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के पक्ष में अपनी बात रखते हुए करण की तारीफ भी कर रहे हैं। कुछ यूजर कह रहे हैं कि अब दोनों को बीती बातें भूलकर आगे बढ़ जाना चाहिए।

कंगना रनौत थप्पड़ विवाद

मणिकर्णिका एक्टर ने कहा कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के लिए जाते समय सीआईएसएफ की महिला गार्ड ने उन्हें मारा था। कंगना ने वीडियो पोस्ट कर बताया कि उन्होंने गार्ड से थप्पड़ मारने का कारण भी पूछा था। कंगना रनौत ने कहा ष्नमस्ते दोस्तों! मुझे मीडिया और मेरे शुभचिंतकों से कई फ़ोन कॉल आ रहे हैं। सबसे पहले मैं सुरक्षित हूँ और मैं बिल्कुल ठीक हूँ। कंगना रनौत ने कहा चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर आज जो दुर्घटना हुई, वह सुरक्षा जाँच के दौरान हुई। जैसे ही मैं आगे बढ़ी, दूसरे केबिन में मौजूद ब्प्ैथ् सुरक्षा गार्ड ने मेरा इंतज़ार किया और फिर उसने मेरे चेहरे पर मारा। उसने मुझे गालियाँ भी दीं। जब मैंने उससे पूछा कि उसने मुझे क्यों मारा, तो उसने कहा कि वह किसान आंदोलन की समर्थक है। मैं सुरक्षित हूँ, लेकिन मेरी चिंता यह है कि हम पंजाब में आतंकवाद और उग्रवाद के उभार को कैसे संभालेंगे।

ब्प्ैथ् कांस्टेबल हिरासत में

घटना 9 जून को दोपहर करीब 3.30 बजे की बताई जा रही है, जब रनौत दिल्ली जाने के लिए चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर थीं। कंगना के साथ मौजूद मयंक मधुर ने कुलविंदर कौर को थप्पड़ मारने की कोशिश की। इसके बाद रनौत ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। आरोप के बाद कौर को कमांडिंग ऑफिसर के कमरे में हिरासत में लिया गया, जहाँ उनसे घटना के बारे में पूछताछ की गई।

'मिर्जापुर 3' का टीजर रिलीज, घायल शेर बनकर भौकाल मचाएंगे कालीन भैया

अमेजन प्राइम वीडियो पिछले दो हफ्ते से 'मिर्जापुर 3' के पोस्टर और वीडियो के जरिए इसकी रिलीज डेट को लेकर लगातार दर्शकों को हिंट दे रहा है। इसी बीच अब मेकर्स ने हाल ही में 'मिर्जापुर 3' का टीजर रिलीज कर दिया है, जिसमें पहले के दो सीजन से भी ज्यादा खौफ और भौकाल देखने को मिल रहा है।सामने आए टीजर ने दर्शकों का दिल और दिमाग झकझोर कर रख दिया है।'मिर्जापुर 3' के टीजर की शुरुआत जंगल में शेरों की झलकियों से होती है और बैकग्राउंड में 'बाउजी' कुलभूषण खरबंदा की आवाज सुनाई दे रही है। जो सीरीज के सभी स्टारकास्ट की तुलना किसी न किसी जानवर से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। शेर से भिड़ने के लिए इस बार जंगल में जंगली बिल्लियां चालाक लोमड़ियां और तूफानी चीता तैयार है। इन सभी की नजरें मिर्जापुर के सिंहासन पर है। ट्रेलर में अपना दबदबा कायम रखने के लिए कहानी का हर किरदार नए दांव–पेंच लगाता नजर आ रहा है। अब देखने ये दिलचस्प होगा कि 'जंगली बिल्ली' (ॅूमजं ज्तपचंजीप ेंतउं), 'चालाक लोमड़ी' (पिं ज्सूंत) का रास्ता काट पाने में कितनी सफल होंगी, ये देखने के लिए आपको जुलाई तक का इंतजार करना होगा। फिलहाल 'मिर्जापुर 3' के टीजर ने आते ही सोशल मीडिया पर घमासान मचा दिया है। फैंस टीजर को काफी पंसद कर रहे हैं। टीजर रिलीज ने फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। वहीं टीजर के साथ ही 'मिर्जापुर 3' सीरीज का प्रीमियर डेट भी सामने आ गया है। 10 एपिसोड की इस सीरीज का प्रीमियर 5 जुलाई को भारत और दुनिया भर में होने जा रहा है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस और क्रिएट की गई इस क्राइम–थ्रिलर सीरीज को दर्शकों ने काफी पसंद किया है, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है। इस सीरीज में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा,अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा सहित कई शानदार कलाकारों ने अहम किरदार निभाए हैं। वहीं आपको बता दें कि 'मिर्जापुर' का पहला सीजन 2018 में और दूसरा सीजन का प्रीमियर अक्टूबर 2020 में हुआ था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था। वहीं अब फैंस इस शो के तीसरे सीजन को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।

अब्दु रोजिक ने इस वजह से पोस्टपोन की अपनी शादी, मंगेतर अमीरा को करना होगा इंतजार

टीवी के रिएलिटी शो 'बिग बॉस 16' से हर किसी का दिल जीतने वाले अब्दु रोजिक बीते कुछ दिनों से अपनी शादी को लेकर खबरों में बने हुए हैं। उन्होंने कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर अपनी एक वीडियो शेयर कर के इस बात की जानकारी दी थी कि वो 7 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इसके बाद उन्होंने अपनी सगाई की दो तस्वीरें शेयर की थी। पहली तस्वीर में वह हाथ में दिल के शेप की हीरे की अंगूठी लिए अपनी होने वाली दुल्हन को प्यार से निहारते हुए नजर आए थे। वहीं दूसरी तस्वीर में अब्दु अपनी मंगेतर को अंगूठी पहनेता हुए दिखे थे। वहीं अब्दु की सगाई के बाद से ही फैंस उनकी शादी को लेकर खासा एकसाइटेड दिख रहे। लेकिन अफसोस कि फैंस को अब अब्दु को दूल्हा बनते देखने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। जी हां, हाल ही में अब्दु ने इस बात की जानकारी दी है कि उन्होंने अपनी शादी कुछ समय के लिए पोस्टपोन कर दी है। इसके पीछे की वजह बताते हुए अब्दु ने ई टाइम्स के साथ बातचीत में कहा कि 'दुबई के कोको कोला एरिना में 6 जुलाई को होने वाली अपनी पहली टाइटल बॉक्सिंग फाइट की पेशकश की गई है। आगे अब्दु ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इस फाइट का मौका मिलेगा लाइफ में कभी। इस साल इतनी सारी चीजें होने के बाद मुझे अपनी शादी पोस्टपोन करनी पड़ेगी। क्योंकि इससे फ्यूचर की फाइनेंशियल सिक्योरिटी देगी।' वहीं इस दौरान अब्दु ने ये भी बताया कि इस फैसले में उनका साथ उनकी मंगेतर अमीरा ने भी दिया क्योंकि इससे दोनों की लाइफ में काफी बदलाव आ सकते हैं। यह टाइटल पहली बार मेरे साइज के लोगों के लिए है और इसके लिए मैं इन दिनों ट्रेनिंग भी ले रहा हूं।' फिलहाल इस खबर ने फैंस को थोड़ा निराश कर दिया है क्योंकि वो अब्दु की शादी को लेकर काफी एक्साइटेड थे। अब्दू रोजिक एक प्रसिद्ध सोशल मीडिया स्टार और सिंगर हैं। वो एक ताजिक गायक भी हैं। टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस' से सुर्खियां बटोरने वाले सिंगर अब्दू रोजिक ने छोटी सी उम्र में करोड़ों की संपत्ति बना ली है। अब्दु रोजिक सलमान खान के शो 'बिग बॉस 16' का भी हिस्सा रह चुके हैं। इस शो से वह दुनिया भर में फेमस हो चुके हैं।

यूरिक एसिड–गठिए का काल, यह लोग इस लाल रंग के रसीले फल का जरूर करें सेवन

प्रकृति ने हमें कई ऐसी चीजें दी हैं जिन्हें सेहत के लिए वरदान माना जाता है जैसे कि फल। सेब, केला हो या अनार हर फल का अपना ही एक फायदा है लेकिन आज हम जिस फल की बात कर रहे हैं उसमें एक नहीं अनेक गुण है। यह जितना छोटा है उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद है। जी हां हम बात कर रहे हैं लाल रसभरी चेरी की। चेरी एक ऐसा फल है, जिसका इस्तेमाल कई प्रकार के व्यंजनों जैसे कि केक, टार्ट, और चीजकेक जैसी कई चीजों में किया जाता है, इसमें थायमिन, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन ई, विटामिन बी 6, पैंटोथैनिक एसिड, नियासिन, फोलेट, पोटेशियम, मैग्नीज, कॉपर, आयरन, कैल्शियम, फास्फोरस, कैलोरी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को कई समस्याओं से बचाने में मददगार हैं। चलिए इसके फायदे आपको बताते हैं।

कब्ज से बचाएं

जिन लोगों का कब्ज की समस्या रहती है उन्हें तो चेरी जरूर खानी चाहिए। इसमें फाइबर भरपूर होता है जो कब्ज ठीक करने में मदद करती है। चेरी के सेवन से कब्ज की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। चेरी का जूस भी पी सकते हैं।

स्ट्रेस दूर करें

आज के समय में तनाव हर किसी को अपनी चपेट में लिए है। अगर आप भी तनाव की समस्या से परेशान हैं तो चेरी को अपनी डाइट में शामिल करें। चेरी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो तनाव को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

डायबिटीक रोगी के लिए फायदेमंद

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी चेरी काफी मददगार है। चेरी में एंटी इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते है। ऐसी डाइट जिसमें चेरी शामिल होते हैं वे ग्लूकोज के लेवल को कम करते हैं, इसलिए, डायबिटीज की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए, चेरी का उपयोग एक प्राकृतिक तरीके के रूप में किया जा सकता है।

यूरिक एसिड– गठिया से बचाव

चेरी में एंटी–ऑक्सीडेंट और एंटी–इन्फ्लामेटरी एक्टिविटी होती है जो यूरिक एसिड को नियंत्रित करने में मदद कर सकती हैं। यूरिक एसिड बढ़ने पर गठिया होने का भी खतरा रहता है। अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से परेशान हैं तो चेरी या किसी अन्य हर्बल रेमेडी का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

एक बार इस हिल स्टेशन पर आने के बाद सबकुछ भूल जाओंगे

अगर आप भी पहाड़ों पर जाने के लिए सोच रहे हैं, तो आप इस हिल स्टेशन पर जरुर घूमने जाएं। यहां पर पहाड़, घाटियां, झरनें, नदियां और जंगल देख सकते हैं। जिन लोगों को ट्रैकिंग करना पसंद है वे लोग कोडाई जंगल में ट्रैकिंग कर सकते हैं और कैंपिंग भी कर सकते हैं। भीषण गर्मी से बचने के लिए लोगों पहाड़ों की तरफ जा रहे हैं। अगर आप भी ट्रैकिंग और कैंपिंग करनी है तो आप कानाताल हिल स्टेशन चले जाए। यह हिल स्टेशन उत्तराखंड में है और टूरिस्टों के बीच बेहद पॉपुलर है। यह जगह ट्रैकिंग और कैंपिंग एक्टिविटी के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। इस हिल स्टेशन की सुंदरता देखकर आप कश्मीर भूल जाओंगे। इसे सीक्रेच हिल स्टेशन भी कहा जाता है। चलिए आपको इस बारे में बताते हैं।

देहरादून से 78 किलोमीटर दूर है कानाताल

अगर आप इस हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं तो देहरादून से 78 किलोमीटर दूर कानाताल चले आइए। इस हिल स्टेशन पर पर्यटक पहाड़, घाटियां, झरनें, नदियां और जंगल देख सकते हैं। बता दें कि टूरिस्ट यहां पर कोडाई जंगल में ट्रैकिंग कर सकते हैं और कैंपिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

दिल्ली से नजदीक है यह हिल स्टेशन

यह सुंदर हिल स्टेशन उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में है। यह हिल स्टेशन मसूरी हाई–वे पर पड़ता है और समुद्र तल से 2,590 मीटर की ऊंचाई पर है। कानाताल दिल्ली से पास होने के कारण वीकएंड में इस हिल स्टेशन में अब टूरिस्टों की अच्छी खासी भीड़ होने लगी है। वहीं, आप नई दिल्ली से ऋषिकेश होते हुए भी कानाताल जा सकते हैं। ऋषिकेश से कानाताल की दूरी करीब 75 किलोमीटर है। यहां आप नेचर वॉक कर सकते हैं और प्रकृति को करीब से महसूस करते हैं।

पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट में दिखेंगी बेहद प्यारी, हर कोई देखता रह जाएगा

फैशन के इस बदलते दौर में हर रोज कोई न कोई फैशन ट्रेंड करता है। वहीं सलवार–सूट एक ऐसा आउटफिट है, जो आप रोजाना से लेकर हर पार्टी व फंक्शन में पहनते हैं। आजकल मार्केट में रेडीमेड से लेकर सूट के फैब्रिक को खरीदकर खुद कस्टमाइज लुक दे सकती हैं।

फैशन के इस बदलते दौर में हर रोज कोई न कोई फैशन ट्रेंड करता है। वहीं सलवार–सूट एक ऐसा आउटफिट है, जो आप रोजाना से लेकर हर पार्टी व फंक्शन में पहनते हैं। आजकल मार्केट में रेडीमेड से लेकर सूट के फैब्रिक को खरीदकर खुद कस्टमाइज लुक दे सकती हैं। वहीं फैशन के इस बदलते दौर में कई बार हम सेलिब्रिटीज के लुक्स को री–क्रिएट करते हैं। आजकल पंजाबी स्टाइल सलवार–कमीज को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पंजाबी स्टाइल सलवार–सूट के कुछ लेटेस्ट डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप स्टाइल कर अपने लुक को परफेक्ट बना सकते हैं।

गोल घेरे वाला सूट

आपको कई अनारकली और कलीदार सूट के डिजाइन गोल घेरे में आसानी से मिल जाएंगे। गर्मियों में इस तरह के लाइट वेट प्लेन या प्रिंटेड फैब्रिक से बने सूट कैरी कर सकती हैं। इस सूट के साथ हैवी झुमकी पहनकर अपने लुक को कंप्लीट करें। गोल घेरे वाले सूट के साथ आप गोटा–पट्टी लेस वाले दुपट्टे को स्टाइल करें।

पटियाला स्टाइल सलवार–सूट

पंजाब में यह सलवार सूट सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। पटियाला स्टाइल सलवार–सूट के साथ आप फुलकारी दुपट्टे को कैरी कर सकती हैं। इस तरह के सलवार के साथ आप शॉर्ट स्टाइल सूट की कमीज बनवाएं और हैवी लुक पाने के लिए घेरे पर चौड़े डिजाइन की लेस लगवा सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ आप गुरकाबी स्टाइल जूती पहनकर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

चौड़े घेरे वाला सूट

आप अपने लुक को अच्छा बनाने के लिए चौड़े घेरे वाले सूट के साथ आप सलवार या पैन्ट्स को कैरी कर सकती हैं। क्योंकि कई बार हम शॉर्ट कमीज पहनने में कंफर्ट महसूस नहीं करते हैं। ऐसे में यह डिजाइन आपके लिए बेस्ट रहेगा। इसके साथ ही आप हैवी वर्क वाला दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ आप एंकल लेंथ वाली पैंट्स कैरी कर सकती हैं। यह आपको मॉर्डन टच देने का काम करेगा।

पेट की जलन को शांत करने में कारगर हैं ये 5 मसाले, ऐसे करें डाइट में शामिल

दिन पर दिन बढ़ती गर्मी की वजह से सभी लोगों का हाल–बेहाल है। खुद को गर्मी से बचाने के लिए हम खुद को ठंडा रखने की कोशिश करते हैं। खुद को ठंडा रखने के लिए तरह–तरह के ड्रिंक्स, ठंडी चीजों और न जाने क्या–क्या खाते हैं। इसके साथ ही गर्मी में ज्यादा मसाले खाने से परहेज करते हैं। जिससे कि पाचन बेहतर रह सके और हमारे शरीर का तापमान भी न बढ़ सके। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ मसाले ऐसे भी होते हैं, जो हमारे शरीर को ठंडा रखने में सहायक होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन मसालों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी सहायता से आ अपने शरीर को ठंडा रख सकते हैं।

जीरा

खाने में इस्तेमाल होने वाले मसालों में जीरे का नाम सबसे ऊपर आता है। जीरा न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि यह हमारे पाचन को भी दुरुस्त रखता है और पेट को ठंडा रखता है। गर्मियों में इस मसाले का सेवन करना फायदेमंद होता है। इसको आप पानी में उबालकर भी पी सकते हैं और बॉडी डिटॉक्स में भी सहायक होता है।

इलायची

हम कई डेजर्ट्स में और माउथ फ्रेशनर की तरह इलायची का इस्तेमाल करते हैं। यह खाने की खुशबू और फ्लेवर को बढ़ाती है और गर्मियों में इसका सेवन करने से शरीर ठंडा रहता है। यह पाचन के लिए भी फायदेमंद होता है और इसकी कूलिंग प्रॉपर्टीज आपको ठंडा रखता है। गर्मी के मौसम में कच्चा चबाकर, दूध में मिलाकर या मीठी डिशेज में डालकर इसको खाना चाहिए।

सौंफ

सौंफ का अधिकतर सेवन माउथ फ्रेशनर की तरह किया जाता है। यह पाचन में भी फायदेमंद होती है। गर्मियों में अक्सर लोगों को पाचन संबंधी समस्या होती है। यह इस समस्या को कम करने में सहायक होता है। साथ ही सौंफ ब्लोटिंग और गैस की समस्या को भी कम करता है। आप सौंफ का सेवन पानी में उबालकर इसका सेवन कर सकते हैं या फिर इसको साबुत भी खा सकते हैं।

धनिया

अक्सर हम सभी खाने को गार्निश करने के साथ चटनी बनाकर खाते हैं। धनिया खाने का स्वाद बढ़ाती है और यह सभी को पसंद आती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह स्वाद को बढ़ाने के साथ पाचन के लिए भी फायदेमंद है। इसके सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है और आप इसको चटनी बनाकर या खाने में मसाले के तौर पर खा सकते हैं।

मेथीदाना

मेथीदाना खाने में एक अलग स्वाद को जोड़ने का काम करती है। यह आपके शरीर को ठंडक देता है और इसको अपनी डाइट में शामिल करने से गर्मी से राहत मिलती है। आप चाहें तो मेथीदाने को पानी में उबालकर इस पानी को पी सकते हैं या इसको अपने खाने में शामिल कर सकते हैं।

अब नहीं बढ़ेगा चावल खाने से वजन, बस करना होगा ये एक काम

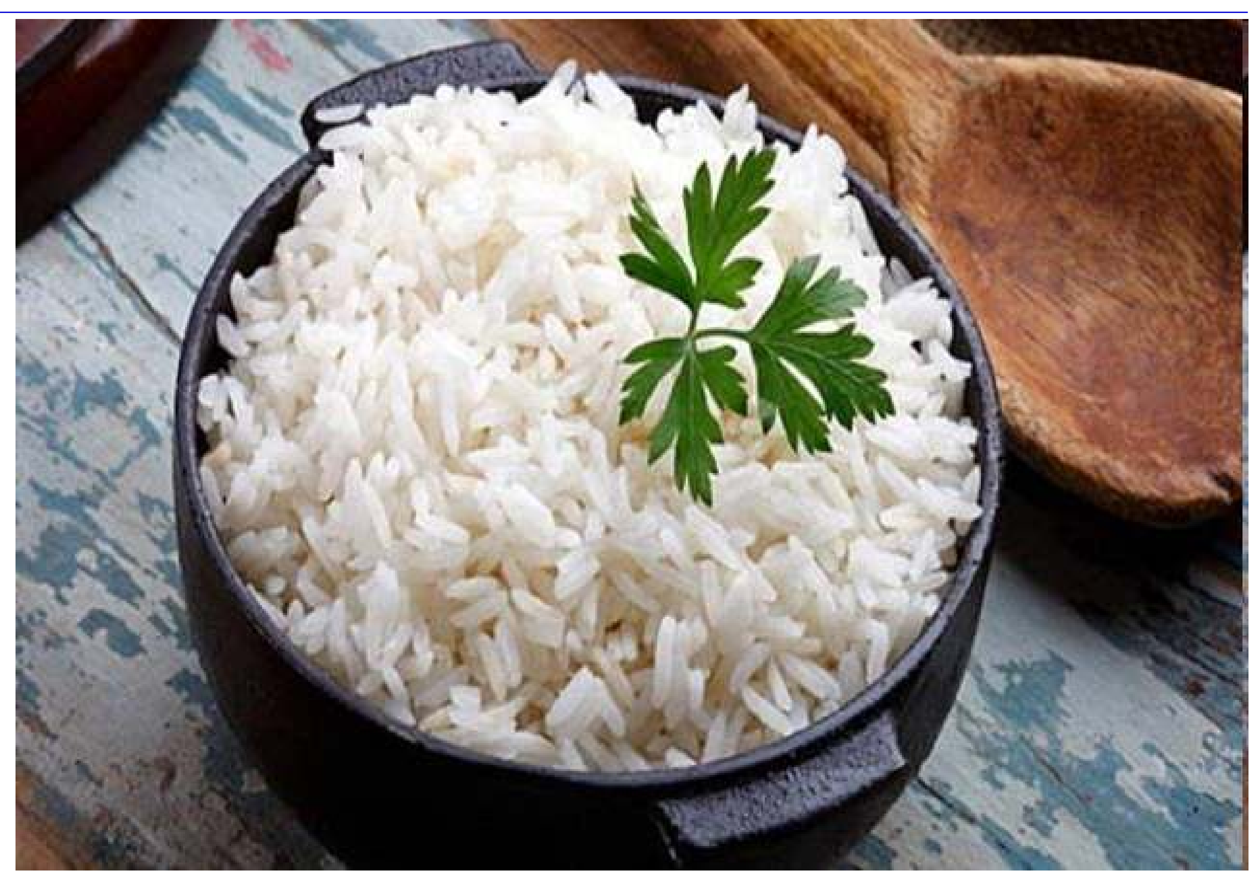

ज्यादातर लोगों की चावल खाना पसंद होता है, लेकिन कई बार लोग इसलिए कम मात्रा में खाते हैं क्योंकि चावल को एक अनहेल्दी और वजन बढ़ाने वाली डाइट माना जाता है। दरअसल, चावल में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसे खाने से शरीर को तुरंत एनर्जी तो मिलती ही है, साथ में शरीर में शुगर लेवल और वजन दोनों बढ़ते हैं। लेकिन कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया है कि चावल पकाने और खाने का एक खास तरीका खोज है, जिससे चावल में मौजूद कैलोरीज सीधा आधी हो जाती है। ऐसे में कोई भी इसका सेवन कर सकता है। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

ऐसे पकाएं और खाएं चावल

1. पहले चावल को अच्छी तरह से धो लें। अब इसे पानी में 15 मिनट तक भीगने दें।

2. जिस बर्तन में चावल बना रहे हैं तो उसमें 1 चम्मच नारियल तेल डालें।

3. इसके बाद तेल को करीब 1 मिनट तक फ्राई करें।

4. अब पानी डालकर कुकर बंद कर दें और बहुत ही धीमी आंच में पकाने दें।

5. चावल जब पक जाए तो इसे ठंडा होने दें। इसके बाद चावल को 12 घंटे फ्रिज में रख दें।

6. 12 घंटे के बाद आप चावल को नॉर्मल होने पर या फिर से गर्म करके खा सकते हैं।

इस तरह से पकाकर खाने से उसमें 50:–60: कैलोरीज कम हो जाती है। इससे आपके वजन बढ़ने का खतरा बहुत कम हो जाता है। खास बात ये भी है कि इस रिसर्च में दावा किया गया है कि अगर आप लंबे समय तक इसी तरह से चावल पका कर खाते हैं तो इससे आपका वेट कम भी हो सकता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

खिचड़ी है बेस्ट ऑप्शन

अगर आप चावल तो सब्जी के साथ पका रही है तो इसके पोषक तत्व बढ़ जाते हैं। खिचड़ी के रूप में चावल खान बेस्ट ऑप्शन है। इससे वजन कंट्रोल में रहता है।

ये चावल है बेस्ट

बासमाती चावल से डायबिटीज कंट्रोल में रहता है। लेकिन मात्रा का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। ये खाने में तो टेस्टी लगते हैं, इसकी खुशबू भी लाजवाब होती है।

पोर्शन का रखें खास ध्यान

अगर आपको वजन भी कंट्रोल में रखना है और अपनी क्रेविंग को भी कम करना है तो चावल को थाली के बजाय कटोरी में खाएं। इससे आप ज्यादा खाने से बच सकते हैं और आपका वजन भी कंट्रोल में रहेगा।

बाइक सवार ने मारी टक्कर एक की मृत्यु

प्रयागराज ।करमा चौकी के डोलिया तालाब करमा निवासी अधेड़ को बुधवार रात को बाइक सवार ने टक्कर मार दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां रात को ही उनकी मौत हो गई। करमा के पचपन वर्षीय केवला यादव खेती करके अपना जीवन चलाते थे। कुछ कारणवश उनका विवाह नहीं हुआ था और अपने भाइयों के साथ रहते थे। बुधवार शाम को वह सड़क के किनारे टहल रहे थे कि बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दिया। उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं। इस बीच बाइक सवार मौके से भाग गया। जानकारी होते ही परिवार के लोगों ने आनन फानन में उन्हें इलाज के लिए शहर के अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया जहां रात में ही उनकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह उनका शव गांव लाया गया और कुछ देर के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस मामले में करमा पुलिस ने बताया कि परिवार के लोगों द्वारा घटना की कोई जानकारी या लिखित तहरीर पुलिस को नहीं दी गई है।

दुकान जी की अपील

प्रयागराज। 2025 के महाकुम्भ के संगम छेत्र को पॉलिथिन थर्मोकोल प्लास्टिक ग्लास से मुक्त रखने के लिये चले आ रहे संगम पॉलिथिन मुक्त अभियान को ईस महाकुम्भ मे मेला प्राधिकरण ऐसा कोई ठोस कदम उठाए जिससे पॉलिथिन मुक्त संगम छेत्र हो सप्रयागराज के स्वच्छता ब्राण्ड एम्बेसडर राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकान जी महाकुम्भ मे आन वाले सन्त महात्मा कल्पवासी संगम छेत्र मे अपने अपने आश्रम या जिस स्थान बाडा जैसे स्थानो पर करने वाले छोटे बडे भडारो मे प्लास्टिक थर्मोकोल के बने ग्लास कप थाली का प्रयोग न कर के पत्तो से बने कागज सै बने पत्तल थाली ग्लास कप के साथ–साथ मिट्टी के बने कुल्हण कप ग्लास का ही प्रयोग करे जिससे पुरा संगम छेत्र पॉलिथिन थर्मोकोल से मुक्त रहेस इसके लिये मेला प्राधिकरण की एक बहुत बडी उपलब्धी होगी जिससे राष्ट्रीय नदी गंगा प्रदूषण से मुक्त पूरा मेला छेत्र साफ स्वच्छ बना रहेगा सजगह–जगह पाईपो के पास जाम करने वाली पॉलिथिन से मुक्ती मिलेगी ससभी सब्जी फल कपडे की दुकान रेस्टोरेंट पॉलिथिन के थैले के जगह कपडे या कागज के ठोगे थैले या कपडे के थैले का प्रयोग करेस पॉलिथिन थर्मोकोल संगम छेत्र को मुक्त बनाए रखने के लिए दुकानजी एक अभियान के तहत प्रयागराज के सभी सामाजिक संस्था संगठन एन जी ओ से ईस अभियान शामिल होकर या अपने अपने माध्यम से कुम्भ मेला छेत्र को पॉलिथिन प्लास्टिक थर्मोकोल मुक्त अभियान की शुरुआत विश्व के सबसे बढे मेले मे अपनी अपनी भूमिका निभाए और मेला को पॉलिथिन प्लास्टिक मुक्त मेला बनाने मे सहयोग करे ।

शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थी प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का उठाये लाभ, करें आनलाइन आवेदन

प्रतापगढ़। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राम करन दुबे ने बताया है कि गांव में उद्योग स्थापित कर स्वयं का रोजगार उत्पन्न करने एवं ग्रामीण क्षेत्र से शहर की ओर शहरी पलायन को रोकने हेतु शासन की मंशा के अनुरूप उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना का संचालन किया जा रहा है। ऐसे शिक्षित बेरोजगार नवयुवकध्परम्परागत कारीगर जो ग्रामीण एवं शहरी दोनो में से किसी एक जगह उद्योग स्थापित करना चाहते है उनको बैंकों के माध्यम से सेवा क्षेत्र हेतु 20 लाख रूपये एवं विनिर्माण इकाईयां हेतु अधिकतम 50 लाख रूपये तक की परियोजना लागत का ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य वर्ग को 25 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग (अनु0 जाति, अनु0 जनजाति, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक, विकलांग, भू0पू0 सैनिक एवं महिला) को 35 प्रतिशत अनुदान एवं शहरी क्षेत्रों में सामान्य वर्ग को 15 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग को 25 अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा। सामान्य वर्ग के लाभार्थी को प्रोजेक्ट कास्ट का 10 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान लगाना अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र आनलाइन ।अपबवदसपदम. हवअ.पद एजेन्सी लागिन केवीआईवी पर अपलोड कर सकते है। विशेष जानकारी के लिये कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड निकट रोबवेज बस स्टैण्ड सिविल लाइन प्रतापगढ़ में किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में आकर प्राप्त कर सकते है।

पूर्व अपर महाधिवक्ता की अहिल्या सुपुर्द-ए-खाक

प्रयागराज। पूर्व अपर महाधिवक्ता कमरुल हसन सिद्दीकी सीनियर एडवोकेट हाईकोर्ट की पत्नी का मंगलवार को निधन हो गया। मरहूमा रूमा काफी दिनों से बीमारी से जूझ रही थीं। मृतका मानवीय करुणा से परिपूर्ण दूसरों की मदद करना अपना कर्तव्य समझती थी। वह बहुत खुशमिजाज व मेहमान नवाज थी। बुधवार सुबह 10 बजे अकबरपुर जहूर बिल्डिंग स्थित कब्रिस्तान में दफन की गई। गम की इस घड़ी में रिश्ते नातेदार और मिलने जुलने वालों में मुश्ताक काजमी, असरार गांधी, सफदर काजमी, अहमद हसनैन रिजवी, इंजीनियर फैयाज खान, जिया अजमाली, इकबाल एडवोकेट, बख्तियार युसूफ, जाहिद एडवोकेट, सईद अहमद, मोहम्मद उस्मानी एवं आर आर चिश्ती शाहिद हजारों लोग मौजूद रहे।

कह मुकरी

ना देखूं तो चौन न आवे ।
याद है उसकी बड़ी सतावे ।।
दिल भी मेरा धक धक होता ।
ऐ सखि साजन, ना सखि पोता ।।

खुश होती जब घर वह आता ।
तन मन को शीतल कर जाता ।।
गुणी बड़ा पर तन का छोटा।
ऐ सखि साजन, ना सखि लोटा ।।

गलबहिंया में उनके डारूं ।
ब्रत करती आरती उतारूं ।।
बिना उनके होती बेहाल ।
ऐ सखि साजन, ना गोपाल ।।

प्रतिमा ष्संतष् बाजपेई
मंडला एम. पी.

स्मिता बनी सहायक सांख्यिकी अधिकारी

प्रतापगढ़, कुंडा। बाबागंज क्षेत्र के सांड़ा हरषपुर गांव निवासी देशराज पाण्डेय की बेटी स्मिता का चयन सहायक सांख्यिकी अधिकारी के पद पर हुआ है। स्मिता ने इस सफलता का श्रेय अपने बाबा पूर्व प्राचार्य धर्मराज पाण्डेय को दिया है। स्मिता ने कहा कि बाबा उनके आदर्श हैं उन्हीं से प्रेरणा मिली। बेटी के सफलता की खुशी में देवराज पाण्डेय, उत्सव राज पाण्डेय, अमित पाण्डेय, पवन पाण्डेय, अर्पित पाण्डेय, संजय शुक्ला, अविनाश मिश्रा, सत्यम पाण्डेय आदि ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई।

लू (हीट स्ट्रोक)/गर्म हवाओं से बचाव हेतु सावधानियां बरते–आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी

आई0एम0डी0 द्वारा जनपद में भीषण गर्मी व लू को ओरेन्ज श्रेणी की चेतावनी दी गयी

प्रतापगढ़। आपदा विशेषज्ञ जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण अनुपम शेखर तिवारी बताया है कि जनपद में आगामी दिवसोंध दिनों में तापमान 40–42 डिग्री0 से0 से अधिक रहने के साथ–साथ आई0एम0डी0 द्वारा जारी चेतावनी के माध्यम से जनपद को ओरेन्ज श्रेणी प्रदान किया गया है जिसके माध्यम से दर्शाया गया है कि विगत 2 से 3 दिनों में हीटवेवध्लू–प्रकोप की स्थिति रहने की सम्भावना है जिससे तापमान में वृद्धि होने के कारण हीटवेव (लू) बढ़ रहा है जिसमें आवश्यक सावधानियां रखी जानी चाहिये। उन्होने लू (हीट स्ट्रोक)ध गर्म हवाओं से बचाव हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया है। उन्होने हीट स्ट्रोक से बचाव के सम्बन्ध में बताया है कि प्रचार माध्यमों पर हीट वेवध्लू की चेतावनी पर ध्यान दें, अधिक से अधिक पानी पिये यदि प्यास न लगी हो तब भी, हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें, धूप के चश्मे, छाता, टोपी व चप्पल का प्रयोग करें। अगर आप खुले में कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ पैरों को गीले कपड़े से ढके रहें तथा छाते का प्रयोग करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटाकर सूती गीले कपड़े से पोछे अथवा नहलायें तथा चिकित्सक से सम्पर्क करें। यात्रा करते समय पीने का पानी साथ ले जायें, ओ0आर0एस0, घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड़), नीबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट क्रैम्प के लक्षणों जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सरदर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा आदि को पहचानें। यदि मुर्छा या बीमारी अनुभव करते है तो तुरन्त चिकित्सीय सलाह लें। अपने घर को ठण्डा रखें, पर्दे, दरवाजे आदि का उपयोग करें तथा शामध्रात के समय घर तथा कमरों को ठण्डा करने हेतु इसे खोल दें। पंखे, गीले कपड़ों का उपयोग करें। कार्य स्थल पर ठण्डे पीने का पानी रखेंध्उपलब्ध करायें। कर्मियों को सीधी सूर्य की रोशनी से बचने हेतु सावधान करें, श्रमसाध्य कार्यो को ठण्डे समय में करनेध कराने का प्रयास करें। घर से बाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि तथा आवृत्ति को बढ़ायें। गर्भस्थ महिला कर्मियों तथा रोगग्रस्त कर्मियों पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिये।

उन्होने बताया है कि जानवरों एवं बच्चो को कभी भी बन्दध्खड़ी गाड़ियों में अकेला न छोड़े। दोपहर 12 से अपरान्ह 03 बजे के मध्य सूर्य की रोशनी में जाने से बचे। सूर्य के ताप से बचने के लिये जहां तक सम्भव हो घर के निचली मंजिल पर रहें। गहरे रंग के भारी तथा तंग कपड़े न पहनें। जब बाहर का तापमान अधिक तब श्रमसाध्य कार्य न करें। अधिक प्रोटीन तथा बासी एवं संक्रमित खाद्य एवं पेय पदार्थो का प्रयोग न करें। अल्कोहल, चाय व काफी पीने से परहेज करें। उन्होने हीट स्ट्रोक के लक्षण के सम्बन्ध में बताया है कि गर्म, लाल, शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना, उथले श्वास गति में तेजी, व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मितली, थकान और कमजोरी होना, चक्कर आना, मूत्र न होना अथवा इसमें कमी है। हीट स्ट्रोक लक्षणों के चलते मनुष्यों के शरीर में उच्च तापमान में शरीर के आंतरिक अंगो, विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुँचाता है तथा शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न करता है, मनुष्य के हृदय के कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न होता है। जो लोग एक या दो घंटे से अधिक समय तक 40.6 डिग्री0से0 105 डिग्री एफ0 या अधिक तापमान अथवा गर्म हवा में रहते है तो उनके मस्तिष्क में क्षति होने की सम्भावना प्रबल हो जाती है। उन्होने बताया है कि विभिन्न स्थितियों में लू लगने की सम्भावना अधिक रहती है जैसे शराब की लत, हृदय रोग, पुरानी बीमारी, मोटापा, पार्किंसंस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह तथा ऐसी कुछ औषधियां जैसे डाययूरेटिक, एंटीस्टिमिनिक, मानसिक रोग की कुछ औषधियां है।

स्टाफ नर्स ने वार्ड बॉय पर लगाया उत्पीड़न का आरोप, आत्महत्या की बात करते हुए प्राचार्य से की शिकायत

प्राचार्य ने बैठाई जश्वच समिति, पहले भी हुई हैं छेड़खानी की घटनाएं

प्रतापगढ़। डा0 सोनेलाल पटेल मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला महिला चिकित्सालय में गरूड़ एजेन्सी द्वारा आउटसोर्सिंग से तैनात स्टाफ नर्स ने वार्ड वॉय पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। प्राचार्य डा0 सलिल श्रीवास्तव को आठ जून को दिए गये शिकायती पत्र में स्टाफ नर्स रोशनी ने लिखा है कि वार्ड वॉय अभिनव तिवारी मेरी ड्यूटी में पहुंचकर मानसिक उत्पीड़न करता है। वह अपने आपको गरूड़ एजेन्सी का प्रभावशाली व्यक्ति बताता है। अपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर प्रतिदिन मुझे मानसिक यातनाएं देता है। जिसके कारण दुःखी होकर मेरे मन में आत्महत्या करने का बुरा विचार आता है और आत्मगलानि महसूस करती हूॅं। सम्मान को बचाने के स्टाफ नर्स से प्राचार्य से उचित कार्यवाही की मांग की है। स्टाफ नर्स के पत्र से मेडिकल कालेज में हड़कंप मचा है।

प्राचार्य ने गठित की जॉच समिति–

स्टाफ नर्स के आरोपों की जॉच करने के लिए प्राचार्य डा0 सलिल श्रीवास्तव ने गुरूवार को महिला अस्तपाल की सीएमएस डा0 रीना प्रसाद, जेआर डा0 अनिल सरोज बालरोग विभाग व डा0 नवनीत कुमार पैथालाजिस्ट की तीन सदस्यीय टीम गठित की है। जिसे पॉच दिन में अपनी दिपोर्ट प्राचार्य को सौंपनी है। स्टाफ नर्सों का आरोप है कि बाद में दबाव बनाकर समझौता करा दिया जाएगा। ऐसा पहले भी हो चुका है।

मेडिकल कालेज में सब कुछ ठीक नहीं–

आउटसोसिंग से नियुक्त स्टाफ नर्स के साथ सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। छेड़खानी व मानसिक उत्पीड़न की कई घटनाएं हो चुकी हैं। कुछ को तो कालेज के जिम्मेदारों द्वारा बदनामी का हवाला देते हुए मामले को दबा दिया जाता है। स्टाफ नर्सों ने नाम न छपने की शर्त पर बताया कि गरूड़ ऐजेन्सी के जिम्मेदारों द्वारा नर्सों का शारीरिक शोषण किया जाता है। विरोध पर उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है।

वार्ड वॉय ही लगाता है स्टाफ नर्स की ड्यूटी–

शारीरिक व मानसिक शोषण का शिकार हो रही नर्सों ने बताया कि वार्ड वॉय अभिनव तिवारी गरूड़ एजेन्सी के जिम्मेदारों का चहेता है। वह ही सभी नर्सों की डूरूटी लगाता है। ड्यूटी चार्ट पर नोडल अधिकारी डा0 वकील अहमद व हंसराज मौर्य की साइन करा ली जाती है। उनके पास अधिकार नहीं है वह केवल प्राचार्य को रिपोर्ट कर सकते हैं। मनमर्जी ड्यूटी की चाहत रखने वाली नर्सों का वार्ड वॉय के जरिए जिम्मेदारों द्वारा शोषण किया जाता है। नर्सो ने बताया कि वह प्राचार्य डा0 सलिल श्रीवास्तव का भी चहेता है।

ड्यूटी लगाने का अधिकार मेडिकल कालेज के पास क्यों नहीं–

आउटसोर्सिंग से नियुक्त स्टाफ की ड्यूटी गरूड़ एजेंसी के चहेतों द्वारा ही लगाई जाती है। उनकी ड्यूटी लगाने का अधिकार गरूड़ एजेन्सी ने मेडिकल कालेज प्रशासन को नहीं दिया है। ड्यूटी में काफी गड़बड़झाला है। आउटसोर्सिंग से नियुक्त सभी कर्मियों की चार्ट पर ड्यूटी लगाई जाती है। पर वास्तविकता में पच्चीस प्रतिशत से अधिक मेडिकल कर्मी ड्यूटी पर नहीं होते हैं। उनका मानदेय प्रतिमाह निकल रहा है। इस प्रतिशत मानदेय के अधिकतर हिस्से को गरूड़ एजेंसी हजम कर जाती है। यदि ड्यूटी लगाने का चार्ज मेडिकल कालेज प्रशासन को मिल गया तो गरूड़ एजेन्सी के इस गड़बड़झाले पर विराम लग जाएगा। बताया जाता है कि गरूड़ एजेन्सी से प्रतापगढ़ मेडिकल कालेज में आउटसोर्सिंग से नियुक्त कर्मियों की देखरेख करने के लिए कोई अन्य ठेकेदार जिम्मा लिया है। वह अपने तरीके से सभी को हैण्डिल करता है।

पहले भी हो चुकी हैं छेड़खानी की घटनाएं–

मेडिकल कालेज की पढ़ाई कर रही छात्रा ने बीते फरवरी में दो डाक्टरों एसआर डा0 साहिल सिंह चौहान व जेआर डा0 धनन्जय सिंह पर छेड़खानी का आरोप लगाया था। प्राचार्य ने चॉच बैठाई। जिसमें डा0 धनन्जय सिंह को नौकरी से हॉथ धोना पड़ा जबकि डा0 साहिल सिंह चौहान से प्राचार्य ने सौ रूपए के स्टाम्प पर माफीनामा लिखवाकर उन्हें जीवनदान दे दिया।

उठाना होगा सख्त कदम–

मेडिकल कालेज को बदनामी से बचाने के लिए इस प्रकार की आए दिन हो रही घटनाओं पर प्राचार्य को सख्त कदम उठाना होगा। पूर्व की तरह यदि प्राचार्य ने हीलाहवाली बरती तो किसी दिन कोई गंभीर घटना घट सकती है।

ठेकेदारों ने बिजली विभाग के एसडीओ को पीटा, थाने में दी तहरीर

प्रतापगढ़, रानीगंज। बिल वितरण सहित अन्य कार्य की रिपोर्ट पर हस्ताक्षर न करने पर बुधवार शाम रानीगंज के गौरा उपकेंद्र पर एसडीओ विद्युत के कार्यालय में हंगामा हुआ। लोग एसडीओ को खोजने लगे। पूरे गोसाईं गांव पहुंचकर एसडीओ की पिटाई कर दी। वह बचने को भागे तो दौड़ाकर पीटा गया। जानकारी पर अधिशासी अभियंता भी पहुंचे और थाने में ठेकेदार, उसके सहयोगियों के खिलाफ तहरीर दी गई। गौरा उपकेंद्र के एसडीओ वीरेंद्र कुमार मौर्य शाम करीब साढ़े चार बजे इलाके के पूरे गोसाईं गांव में चेकिंग कर रहे थे। आरोप है कि उसी समय बिल वितरण सहित अन्य कार्य के ठेकेदार आजाद तिवारी, अन्नू सिंह, रंजीत यादव, अभिषेक कार्यालय पहुंचकर उनकी तलाश करने लगे। न मिलने पर कार्यालय में हंगामा किया। कुछ देर बाद उनके पास पूरे गोसाईं गांव पहुंचे और गाड़ी से उतरते ही उनकी पिटाई करने लगे। इससे वह गिर पड़े। इस दौरान वाउचर न पास करने को लेकर धमकी दी। उनके दो मोबाइल छीनकर जमीन पर पटक दिया। एक मोबाइल टूट गया। जानकारी पर अधिशासी अभियंता संजय गुप्ता के साथ एसडीओ, जेई व अन्य कर्मचारी थाने पहुंच गए। एसडीओ की ओर से ठेकेदार व अन्य लोगों के खिलाफ तहरीर दी गई। देर रात तक विद्युत कर्मी एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने में डटे रहे। एसओ अभिषेक सिंह सिरोही ने बताया कि ठेकेदारों से कुछ विवाद में एसडीओ को मारापीटा गया है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बिना वैकल्पिक व्यवस्था बनाये ही रोक दिया गया यातायात, धूप मे भटकने को मजबूर लोग

दुवर नदी पर पुल निर्माण के लिए बंद हुआ करेटी जाने का रास्ता

प्रतापगढ़, कुण्डा। तहसील मुख्यालय से करेटी गोतनी मार्ग को बंद कर दिया गया। बिना पूर्व सूचना के पुल बनाने के लिए उक्त सड़क को यातायात के लिए बंद किये जाने के कारण दो दर्जन गाँवो का कुंडा से सीधा सम्पर्क बाधित हो गया। आने जाने वालो को कई किलोमीटर का चक्कर लगाने के लिए विवश होना पड़ रहा है। बताया गया कि इस सड़क से न सिर्फ दर्जनों गांवों का सम्पर्क है। करेटी मे गंगा पर बने पुल से पड़ोसी जनपद कौशाम्बी जाने वाले भी इसी मार्ग से आते जाते है। सवाल उठता है कि अगर किसी भी जगह पुल का निर्माण किया जाता है तो उसके बगल से एक वैकल्पिक रास्ता बनाया जाता है। ताकि लोगों को आने जाने मे कोई परेशानी न हो। लेकिन यहाँ पर मामला अलग नजर आ रहा है। जहां बिना वैकल्पिक अप्रोच मार्ग बनाये ही रास्ता बंद कर दिया गया। जिसके चलते लोग परेशान हो रहे हैं।

कुंडा के समाजसेवी सतीश मिश्रा ने जनप्रतिनिधियों व जिला प्रशाशन का ध्यान आकृष्ट कराया है कि बिना विकल्प मार्ग के इस तरह से रास्ता बंद किया जाना जनहित मे उचित नही है। उन्होंने मांग किया कि जिलाधिकारी समेत पुल निर्माण में लगे अधिकारी यहाँ पर तत्काल प्रभाव से वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था कराये ताकि इस भीषण गर्मी मे लोगों को परेशान न होना पड़े।

डीएम की सख्ती पर खराब पड़े हैंडपम्प देने लगे पानी

प्रतापगढ़, लालगंज। सरकारी हैण्डपम्प की मरम्मत को लेकर डीएम की सख्ती के असर दिखने लगा है। नगर पंचायत कार्यदायी संस्था ने आननफानन में हैण्डपम्प को चालू करा दिया। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर मार्ग पर, लालगंज भवराम बोझी हाइवे पर इण्डिया मार्क टू हैण्डपम्प में गुरूवार की सुबह तकनीकी खराबी आ गयी। इससे विद्या मंदिर में पढने वाले स्कूली बच्चों के साथ राहगीरों व हाइवे किनारे स्थित धार्मिक स्थली रतन वीर बाबा पर आने वाले श्रद्धालुओं को परेशान देखा गया। जानकारी मिलने पर रूरल बार के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने डीएम संजीव रंजन के व्हॉटसएप पर हैण्डपम्प की खराबी की जानकारी दी। डीएम ने जानकारी मिलते ही नगर पंचायत के ईओ को कर्रा किया। डीएम की नाराजगी का असर फौरन दिखा। आननफानन में कार्यदायी संस्था हैण्डपम्प को ठीक कर चालू कर दिया।

संक्षिप्त

विभिन्न धाराओं में वांछितों को अंतू पुलिस ने भेजा जेल

प्रतापगढ़। हत्या के प्रयास समेत विभिन्न संगीन धाराओं में फरार चल रहे तीन आरोपियों को थाने के वरिष्ठ निरीक्षक विनोद यादव की टीम ने गुरूवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी राजेश सरोज पुत्र गोपीनाथ निवासी नरी दुलहिन का पुरवा अंतू, अरविन्द पुत्र छोटेलाल सरोज व मंजीत पुत्र छोटेलाल निवासी सराय शंकर कोहड़ौर पर थाने में हत्या के प्रयास समेत संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज था। पुलिस पकड़ आरोपी फरार चल रहे थे। गुरूवार को मुखबिर की सूचना पर अंतू पुलिस ने तीनों आरोपियों को थाना क्षेत्र के संडव इंटर कालेज के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

ई–रिक्शा सवार महिला से मोबाइल छीना

प्रतापगढ़, कुंडा। कोतवाली के रैयापुर गांव निवासी महेन्द्र कुमार की पत्नी नीलम यादव गुरुवार को दुरदुरैया कार्यक्रम में शामिल होने मां नायर देवी धाम हीरागंज महेशगंज गई थी। दुरदुरैया का कार्यक्रम खत्म होने पर वह करीब डेढ़ बजे ई–रिक्शा से अपनी बहनों के साथ मायके धिंगईपुर सरांय छत्ता संग्रामगढ़ जा रही थी। जैसे ही वह महेशगंज थाना क्षेत्र के लक्ष्मीगंज बाजार के पास पहुंची। बाइक सवार दो युवक पहुंचे हाथ में लिए मोबाइल को छीनकर भाग निकले। नीलम के शोर मचाने राहगीरों ने मोबाइल छीन कर भाग रहे युवकों का पीछा किया लेकिन वे भाग निकले। पीड़िता ने मामले की तहरीर पुलिस को दी है। पुलिस ऐसी किसी घटना की जानकारी से इंकार कर रही है।

इग्नू की परीक्षा में चार जिलों के परीक्षार्थी हुए शामिल, 18 रहे अनुपस्थित

प्रतापगढ़। शहर के एमडीपीजी कॉलेज स्थित इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) अध्ययन केंद्र में इग्नू की परीक्षा चल रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 मनोज मिश्र ने समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह एवं काउंसलर डॉ0 सी एन पांडे के साथ परीक्षा कक्षों में आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र के कर्मचारियों द्वारा सभी छात्र–छात्राओं की सघन तलाशी ली गई। तलाशी में टीम परीक्षार्थियों के पास मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ब्लुटूथ, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खोजते रही। परीक्षा केंद्र के अधीक्षक डॉ0 अभिषेक सिंह ने बताया कि इग्नू की परीक्षाएँ 07 जून से शुरू हैं और 15 जुलाई तक दोनों पालियों में संचालित कराई जायेंगी। गुरुवार की परीक्षा में बीए, बीएससी, एमए, एमबीए, एमसीए और पीजी डिप्लोमा के छात्र शामिल हुए। परीक्षा में 23 छात्र उपस्थित हुए जबकि 03 छात्र अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में भी 23 छात्र उपस्थित हुए और 15 छात्र अनुपस्थित रहे। इग्नू काउन्सेलर डॉ0 सी एन पांडेय ने बताया कि जून सत्र में प्रतापगढ़ केंद्र पर प्रतापगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर और जौनपुर जिले के परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्षो में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी एवं नया प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी 30 जून तक इग्नू की वेबसाइट पर अपना नया रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

हम केवल उपहार ही नहीं लेते, समाज व देश के विकास में सहयोग भी देते हैं– किन्नर सिमबा

प्रतापगढ़। किन्नर समाज के लोग अब उपेक्षा के शिकार नही रहेंगे। वह अपना अधिकार लेंगे और समाज की सेवा करते हुए समाज की मुख्य धारा में शामिल होकर समाज की सेवा करेंगे। यह बात वेल्हा देवी धाम में जेष्ठ माह में जरूरत मंद महिलाओं को वस्त्र वितरण कार्यक्रम में किन्नर मिस्बा ने कही। उन्होंने अपनी गुरु मां नरगिश के साथ लोगों को उपहार देकर समाज में एक नया संदेश दिया। मां बेल्हा देवी के पूजन अर्चन के पश्चात वहां आयी दर्जनो जरूरतमंद महिलाओ को वस्त्र एवं कुछ सहयोग राशि देकर सम्मानित किया। मन्दिर में सवा कुन्तल का घंटा समर्पण करने को कहा। उन्होंने बताया कि हम केवल उपहार लेते नहीं बल्कि देश व समाज के विकास में योगदान भी देते हैं। इस मौके पर मां गुरू नरगिस के साथ मुइमा किन्नर बिन्दिया मुस्कान समेत दर्जनों किन्नर उपस्थित रहीं।

निधन पर व्यापारियों ने शोक जताया

प्रतापगढ़। व्यापारी राजीव आहूजा का लंबी बीमारी के चलते इलाज के दौरान बुधवार की रात निधन हो गया। उनके निधन पर व्यापारियों, नेताओं प्रबुद्धजनों, डाक्टरों और सामाजिक सस्थाओं ने शोक जताया है। शहर स्थित उनके दहिलामऊ आवास पर शोक जताने वालों का सुबह से तांता लगा रहा। दोपहर में सई नदी के किनारे श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। राजीव आहूजा, व्यापारी नेता और सरस्वती शिशु मंदिर अजीत नगर के प्रबंधक और भारत विकास परिषद के पदाधिकारी संजीव आहूजा के बड़े भाई थे। पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। इलाज के लिए पीजीआई लखनऊ में भर्ती हुए थे। कल रात उनका निधन हो गया। उनकी शव यात्रा में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। व्यापार मंडल ने सभा कर शोक जताया है। इत्तफाक देखिए संजीव ही राजीव की देखभाल किया करते थे। पीजीआई उन्होंने ही भर्ती कराया। जब उनकी मौत हुई संजीव उनके साथ नहीं थे। उनके भी गले का दिल्ली में आपरेशन होना था। संयोग से गुरुवार को डाक्टर ने सर्जरी की डेट दे रखी थी। इस वजह से अंतिम समय पर भाई की अर्थी को कंधा नहीं दे पाए। हालांकि छोटे भाई आशीष आहूजा जो कि पेशे से डाक्टर हैं विदेश में रहते है। उनके ऊपर पूरी जिम्मेदारी है। वो और संजीव के शुभेच्छु सारा काम संभाल लिए हैं।

डाक्टर की पत्नी ने छात्रा को भेंट की साइकिल

पांच किलोमीटर पैदल चलकर कालेज जाती हैं छात्रा लाजू

प्रतापगढ़। पांच किलोमीटर पैदल चलकर कालेज जाने वाली क्लास नौ की छात्रा लाजू विश्वकर्मा को जिले के प्रख्यात रेडियोलॉजिस्ट डाक्टर शिव मूर्ति लाल मौर्य की पत्नी विमला मौर्य ने साइकिल भेंट की है। साइकिल पाकर लाजू खुश हो गई। बोली अब उसकी पढ़ाई आसान हो गई। समय पर स्कूल पहुंच जाएगी। लाजू खजुरनी ग्राम सभा के बोधी पांडेय का पुरवा की रहने वाली हैं। वह जीजीआईसी में क्लास नौ की छात्रा है। उसकी शिक्षा बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी के सहयोग से चल रही है। ग्रुप के सहयोगी अश्विनी केसरवानी ने बताया कि लाजू के पास स्कूल आने का कोई साधन नहीं था। बच्चा बैंक के माध्यम से जब यह बात डाक्टर शिव मूर्ति लाल मौर्य को पता चली तो उन्होंने लाजू को साइकिल देने का वादा किया। बुधवार को उनकी धर्मपत्नी विमला मौर्य ने लाजू को अपने घर पलटन बाजार बुलाया और उसे नई साइकिल भेंट की। अश्विनी ने सहयोग के लिए डाक्टर शिव मूर्ति लाल के प्रति आभार जताया। लाजू जिस सेंटर पर निशुल्क शिक्षा पाती हैं उसके प्रिंसिपल शनि ने बताया कि लाजू पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद में आगे है। उसका पसंदीदा खेल रेस है। कई मेडल जीत चुकी है।

हाईकोर्ट के अधिवक्ता को मातृशोक

प्रतापगढ़। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ता यादवेंद्र पाण्डेय की माँ एवं सेवाश्रम इंटर कॉलेज ढिंढुई के प्रबंधक दामोदर प्रसाद पाण्डेय की धर्मपत्नी विमला देवी (82) का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। जानकारी होने पर तमाम साथी अधिवक्ताओं व शुभचिंतकों ने एडवोट यादवेंद्र पाण्डेय के पैतृक आवास लखनीपुर पहुँचकर शोक जताया।

संक्षिप्त

न्यूजीलैंड पहुंचे चीन के प्रधानमंत्री, सुरक्षा मामलों पर हो सकती है चर्चा

वेलिंगटन। चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड पहुंचे जहां दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों का जश्न मनाने के साथ ही दक्षिण प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है। क्विंग की यह यात्रा पश्चिमी लोकतंत्रों में अपने सबसे करीबी साझेदार देश की एक महत्वपूर्ण यात्रा है। चीन के दूसरे सबसे बड़े नेता ली 2017 में ली कीक्विंग की यात्रा के बाद न्यूजीलैंड का दौरा करने वाले पहले चीनी प्रधानमंत्री हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने इस सप्ताह कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया का भी दौरा करेंगे। चीनी प्रधानमंत्री की यह यात्रा ऑस्ट्रेलिया और चीन के बीच हाल के वर्षों में रिश्तों में आया तनाव कम होने के बाद हुई है। समझा जाता है कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन इस सप्ताह सार्वजनिक बयानों में चीन के साथ व्यापारिक संबंधों की सराहना करेंगे। चीन दक्षिण प्रशांत देश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 22 अरब अमेरिकी डॉलर है। दोनों देशों के बीच 2008 में एक द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये गये थे। ली की यह यात्रा 2014 में हस्ताक्षरित संबंधों को मजबूत करने के संकल्प की 10वीं वर्षगांठ का प्रतीक है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आखिरी बार वेलिंगटन का दौरा किया था।

जी7 नेताओं का इस अंदज में मेलोनी ने किया स्वागत, इस बार क्या है सम्मेलन का एजेंडा

सात देशों का समूह (जी7) देश 13 से 15 जून के बीच इटली के अपुलीया क्षेत्र में नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए एकट्ठा हो रहे हैं। इटली, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ जटिल वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भी शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसमें भारत को एक आउटरीच देश के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह प्रधानमंत्री के रूप में उनके तीसरे कार्यकाल में उनकी पहली विदेश यात्रा होगी।

शुरू हुआ नेताओं का आगमन

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने 50वें ळ7 शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन का स्वागत किया। इटली की राष्ट्रपति जियोर्जिया मेलोनी ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल का स्वागत किया। वे 50वें जी7 शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे हैं। सेवेलेट्री डि फसानोरू इटली की राष्ट्रपति जियोर्जिया मेलोनी ने यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का स्वागत किया, जब वे 50वें जी7 शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे। इटली की राष्ट्रपति जियोर्जिया मेलोनी ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल का स्वागत किया। वे 50वें जी7 शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे हैं। सेवेलेट्री डि फसानोरू इटली की राष्ट्रपति जियोर्जिया मेलोनी ने यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का स्वागत किया, जब वे 50वें जी7 शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और यूक्रेन के राष्ट्पति वोलोदिमीर जेलेंस्की बृहस्पतिवार को इटली में जी–7 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। जी7 समूह के सदस्य देश इस बात पर सहमत हो गए हैं कि जब्त की गयी रूसी संपत्तियों से प्राप्त 50 अरब अमेरीकी डॉलर की सहायता राशि यूक्रेन को किस तरह प्रदान की जाए। इस मामले से जुड़े दो लोगों ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी–7 उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बृहस्पतिवार को इटली की यात्रा करेंगे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बुधवार को कहा कि जी–7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की भागीदारी से पिछले वर्ष भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी–20 शिखर सम्मेलन के परिणामों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। इटली के अपुलिया क्षेत्र के बोर्गो एग्नाजिया के आलीशान रिसॉर्ट में 13 से 15 जून तक आयोजित होने वाले जी–7 शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में चल रहे युद्ध और गाजा में संघर्ष का मुद्दा छाया रहने की संभावना है।

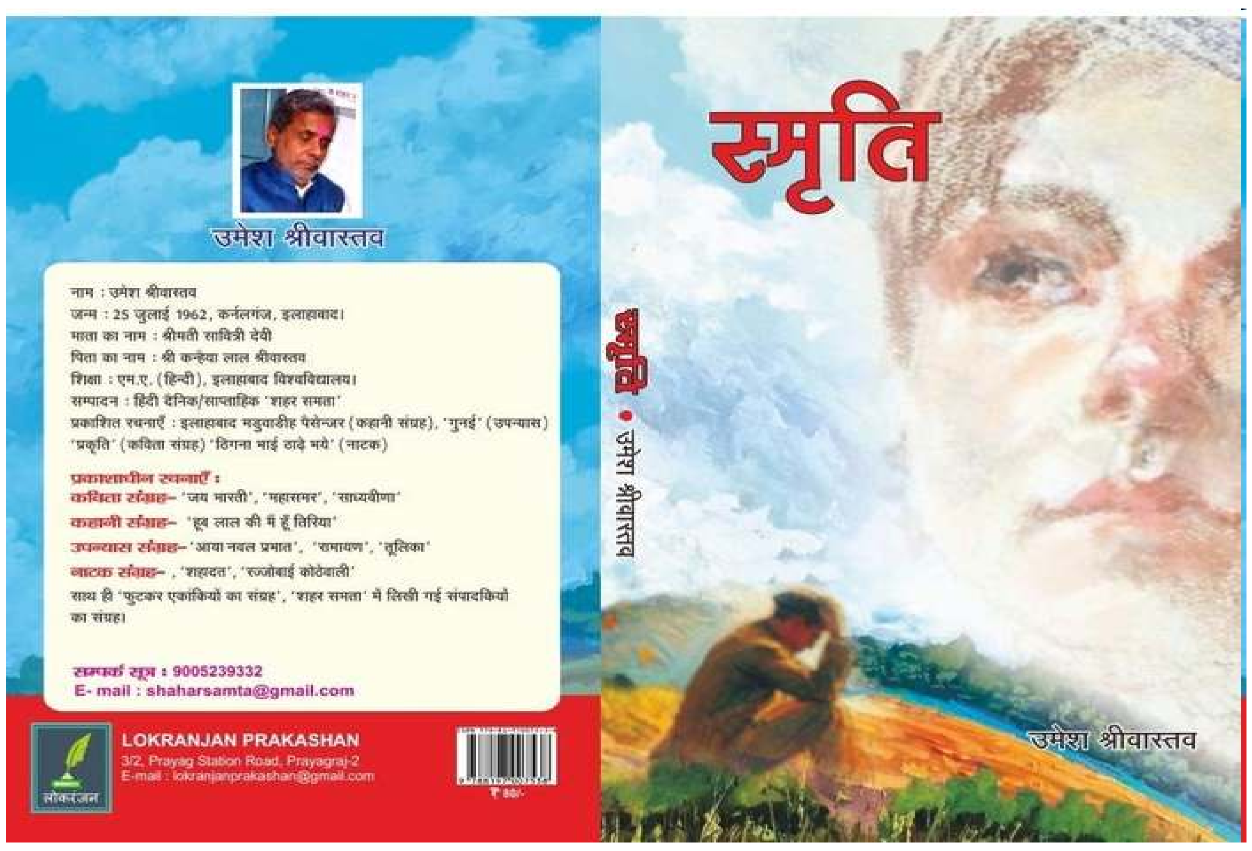

पाकिस्तान वित्त वर्ष 2024–25 में 23 अरब अमेरिकी डॉलर उधार लेने की योजना बना रहा है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने आगामी वित्त वर्ष 2024–25 में कम से कम 23 अरब डॉलर उधार लेने की योजना बनाई है। इसमें 12 अरब डॉलर का द्विपक्षीय कर्ज भी शामिल है। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान एक जुलाई से 30 जून के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। खबर के अनुसार, इसकी मदद से वह अपनी विकास योजनाओं और बाह्य वित्तपोषण जरूरतों को पूरा कर सकेगा। इससे नकदी की कमी से जूझ रहे देश की विदेश तथा आर्थिक नीतियां अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

(आईएमएफ) जैसी वैश्विक वित्तीय संस्थानों पर निर्भर रहेंगी। समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 के बजट दस्तावेजों के अनुसार, पाकिस्तान कम से कम 23.2 अरब अमरीकी डॉलर (5900 अरब रुपये) उधार लेगा, जिसमें आईएमएफ से कोई ऋण शामिल नहीं है। इन 23 अरब अमेरिकी डॉलर में से सरकार ने 20 अरब अमेरिकी डॉलर को बजट दस्तावेजों में शामिल किया है। इसने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा तीन अरग अमेरिकी डॉलर देने को संघीय खातों का हिस्सा नहीं बनाया है। बजट दस्तावेजों के अनुसार, 2024–25 के लिए रक्षा के लिए पाकिस्तान का 2,122 अरब रुपये का बजटीय आवंटन नकदी की कमी से जूझ रहे देश के सकल घरेलू उत्पाद का सिर्फ 1.7 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष के समान ही है। हालांकि यह निवर्तमान वित्त वर्ष 2023–24 के लिए निर्धारित 1,804 अरब रुपये से अधिक है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 18,877 अरब रुपये का भारी कर वाला बजट पेश किया। वित्त मंत्री के भाषण और विभिन्न बजट दस्तावेजों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 के लिए आवंटित 2,122 अरब रुपये 30 जून को समाप्त होने वाले निवर्तमान वित्त वर्ष 2023–24 के लिए आवंटित 1,804 अरब रुपये से 318 अरब रुपये अधिक है।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

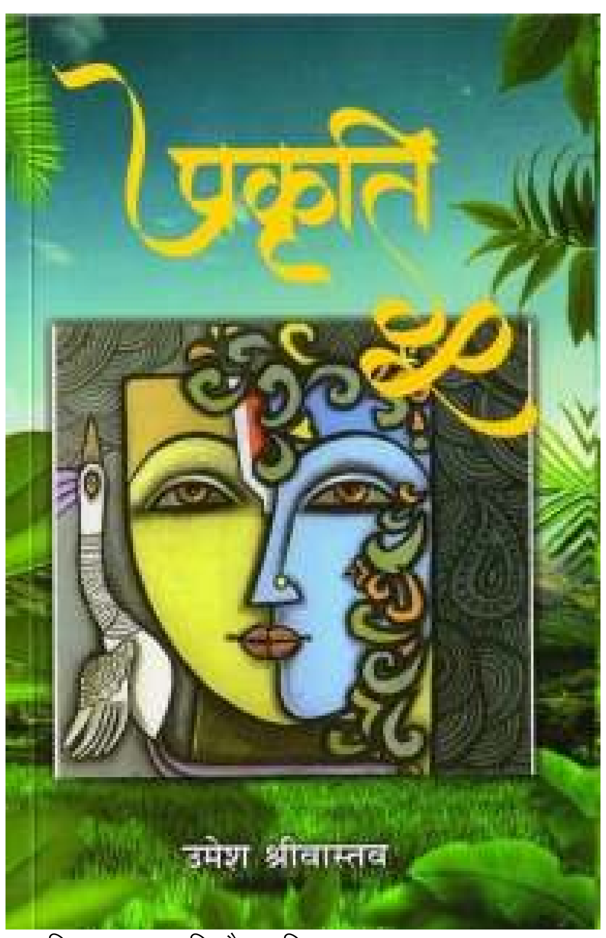

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह प्रकृतिः लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

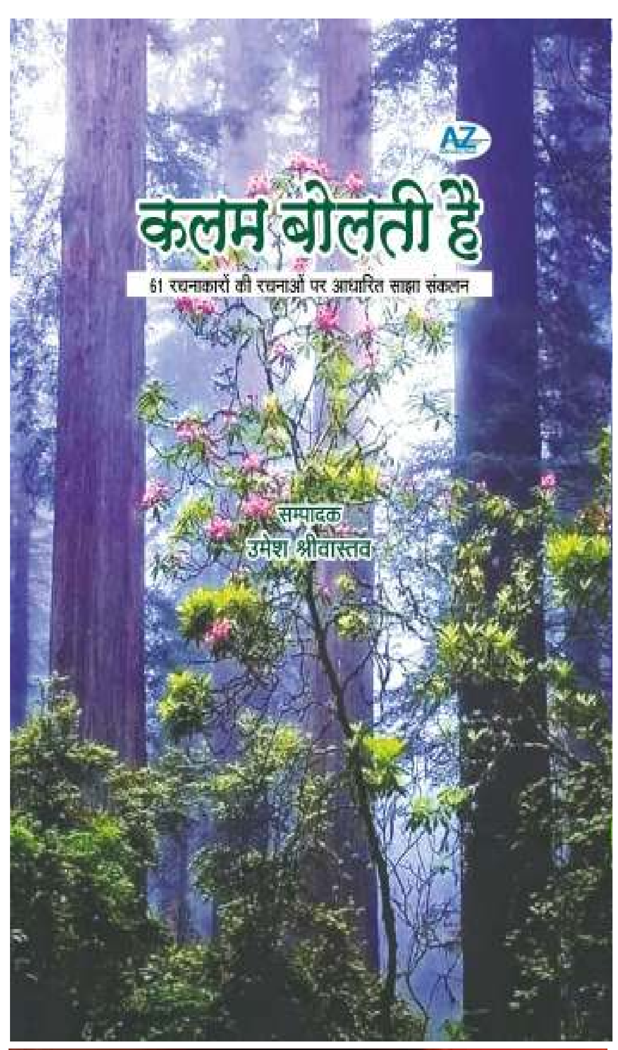

बाइडन और जेलेंस्की अमेरिका और यूक्रेन के बीच सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे

राष्ट्रपति जो बाइडन और राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की बृहस्पतिवार को जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान जब मिलेंगे तो अमेरिका और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। व्हाइट हाउस की ओर से यह जानकारी दी गई। 'एयर फोर्स वन' अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा के लिए तैयार किया गया एक विशेष विमान है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने पत्रकारों से कहा कि इस समझौते का उद्देश्य रूस को यह संकेत देना है कि अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत अमेरिकी सैनिक रूस के हमले के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा के लिए नहीं जाएंगे। सुलिवन ने कहा, हम यह प्रदर्शित करना चाहते हैं कि अमेरिका यूक्रेन के लोगों का समर्थन करता है। हम उनके साथ खड़े हैं और हम उनकी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, यह समझौता हमारे संकल्प को दर्शाएगा। सुलिवन ने इस समझौते को यूक्रेन को नाटो गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के वास्ते एक "सेतु" बताया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

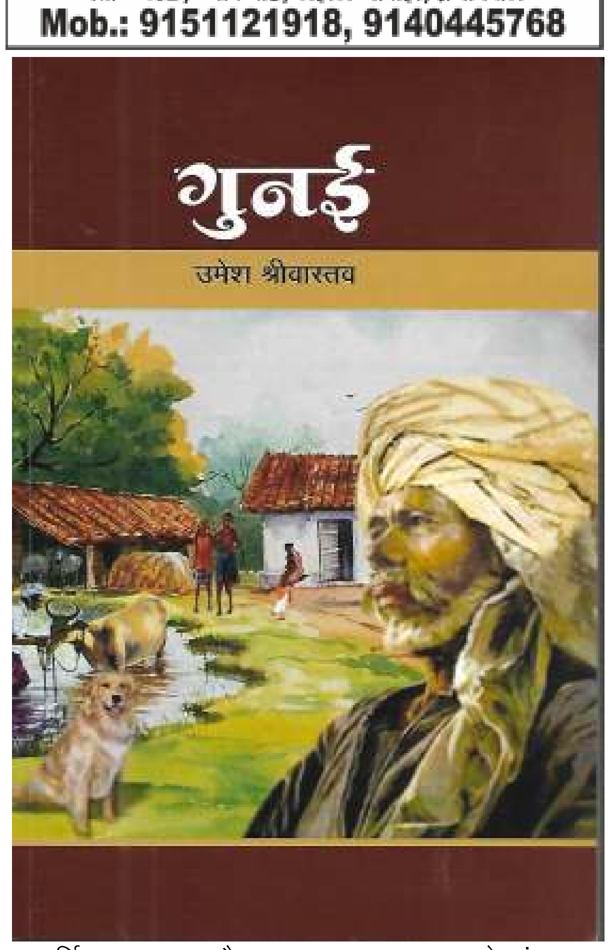

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

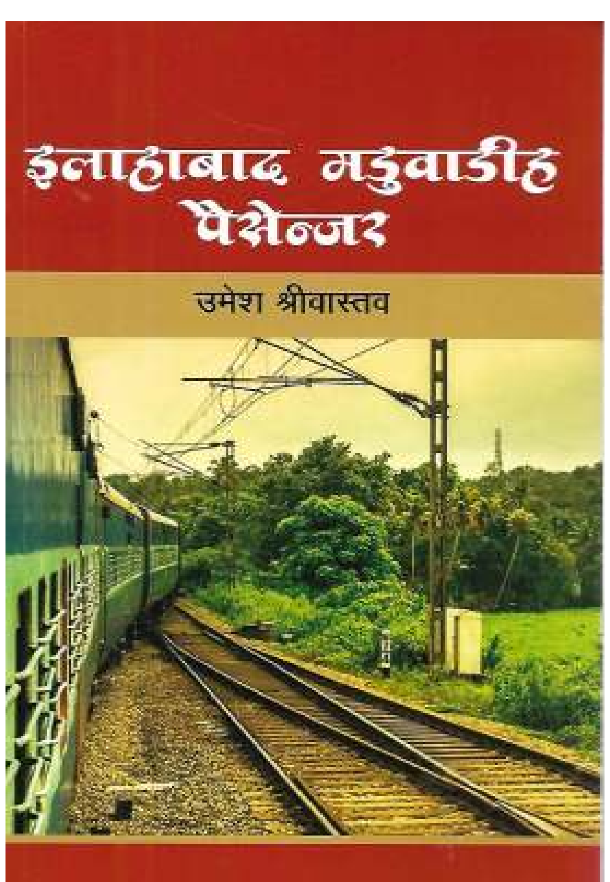

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

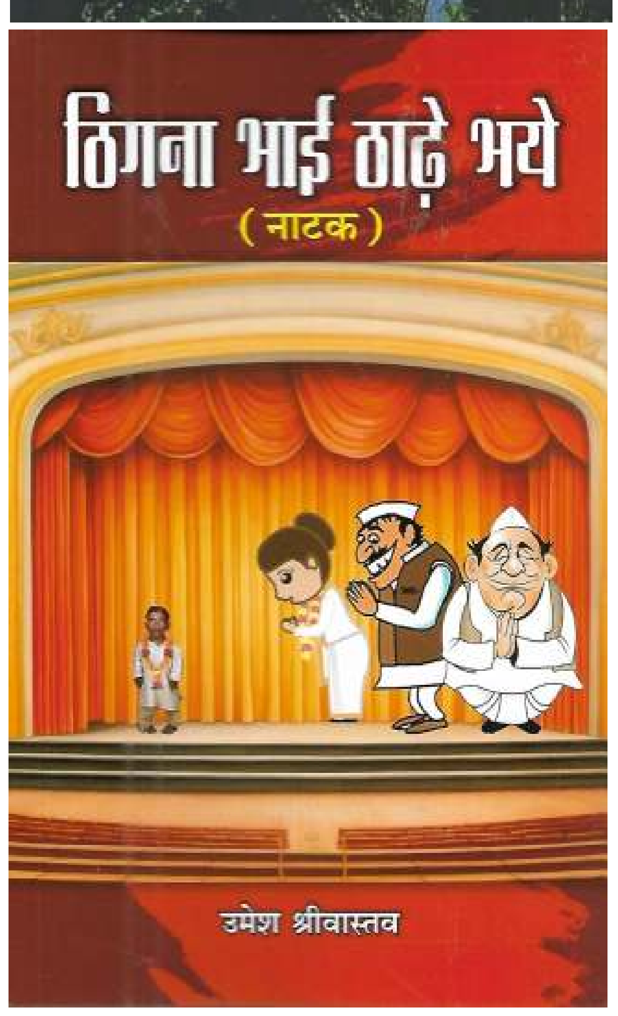

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)